केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

अच्छा स्वभाव वह खूबी है जो सदा के लिये सभी का प्रिय बना देता है

वर्ष : 17 अंक : 58 | उज्जैन, शुक्रवार 7 अगस्त 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

बांकीपुर हार के बाद तेजस्वी का बड़ा एक्शन, बिहार में RJD का पूरा संगठन भंग; अब बनेगी नई टीम

पटना/ जीएनएस। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में हार के बाद राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने बिहार में बड़ा संगठनात्मक फैसला लिया है। प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने आदेश जारी कर जिला, प्रखंड और पंचायत स्तर की सभी संगठनात्मक इकाइयों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है। पार्टी ने केवल जिला और प्रखंड इकाइयों ही नहीं, बल्कि सभी प्रकोष्ठों की संगठनात्मक इकाइयों और अन्य संबद्ध समितियों को भी भंग कर दिया है। यह फैसला पूरे प्रदेश में तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। आरजेडी के आदेश में कहा गया है कि सभी स्तरों पर नई समितियों के गठन की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। नए पदाधिकारियों और संगठनात्मक ढांचे को तैयार करने के लिए आवश्यक कार्रवाई शीघ्र की जाएगी। हाल के दिनों में पार्टी के भीतर मतभेद और बयानबाजी की खबरें लगातार सामने आ रही थीं। बांकीपुर उपचुनाव में हार के बाद कई नेताओं ने संगठन और नेतृत्व पर सवाल उठाए थे। ऐसे में इस फैसले को बड़े संगठनात्मक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के नेतृत्व में पार्टी संगठन को नए सिरे से मजबूत करने की तैयारी कर रही है। आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए सक्रिय और प्रभावी संगठन खड़ा करने पर जोर दिया जाएगा। फिलहाल पार्टी ने पुनर्गठन की समय-सीमा घोषित नहीं की है। हालांकि, संगठन में व्यापक फेरबदल के बाद अब नए पदाधिकारियों और समितियों की घोषणा पर सभी की नजरें टिकी हैं।

15 अगस्त से पहले पाकिस्तान की बड़ी साजिश नाकाम, ISI के निशाने पर थे 4 शहर; 3 राज्यों से 12 संदिग्ध गिरफ्तार

नई दिल्ली/ जीएनएस। स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI से जुड़े एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करने का दावा किया है। एक सप्ताह के दौरान पंजाब, पश्चिम बंगाल और दिल्ली से जुड़े अलग-अलग ऑपरेशन में कुल 12 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, इन मॉड्यूल का संचालन पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स और आतंकी शहजाद भट्टी के नेटवर्क के जरिए किया जा रहा था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि दिल्ली, अमृतसर, तरनतारन और पश्चिम बंगाल के वर्धमान संभावित निशाने पर थे। जांच एजेंसियों के अनुसार, अलग-अलग राज्यों में सक्रिय मॉड्यूल को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं। कहीं हथियारों की सप्लाई और रेकी का काम हो रहा था तो कहीं स्थानीय युवाओं की भर्ती, संवेदनशील सूचनाएं जुटाने और प्रभावशाली लोगों तक पहुंच बनाने की कोशिश की जा रही थी। 31 जुलाई 2026 को पश्चिम बंगाल के वर्धमान थाने में दर्ज एफआईआर में कई गंभीर खुलासे हुए हैं। जांच के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद हमीम मंडल पाकिस्तान से संचालित सोशल मीडिया अकाउंट और विदेशी व्हाट्सएप नंबरों के लगातार संपर्क में था। उसके मोबाइल से पाकिस्तान के +92 नंबरों के अलावा अमेरिका और ब्रिटेन के नंबर भी मिले हैं। एफआईआर में राणा, "C9Uzhair" और "Abid Jutt" जैसे नामों का भी जिक्र है। जांच एजेंसियों का दावा है कि आरोपी जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े लोगों और पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स के संपर्क में था। मोबाइल से कथित तौर पर चैट, निर्देश और अन्य डिजिटल साक्ष्य भी मिले हैं। जांच के अनुसार, इस मॉड्यूल को स्थानीय युवाओं की भर्ती, हथियारों का इंतजाम, वीआईपी और सरकारी प्रतिष्ठानों की जानकारी जुटाने, राजनीतिक नेताओं तक पहुंच बनाने, हनी ट्रैप के जरिए प्रभावशाली लोगों को फंसाने और जरूरत पड़ने पर हत्या तथा अपहरण जैसी वारदातों की तैयारी का टास्क दिया गया था।

मुख्यमंत्री की जनोन्मुखी पहल, जनविश्वास अभियान शुरू होगा 7 अगस्त से

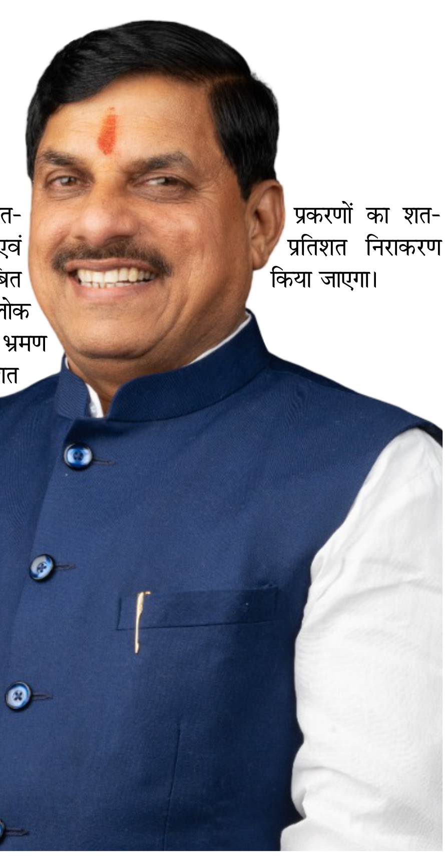

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का प्रदेश की साढ़े 8 करोड़ से अधिक आबादी के प्रति विश्वास के प्रतीक जन-विश्वास अभियान का शुभारंभ शुक्रवार 7 अगस्त 2026 से होगा। शासन और प्रशासन ने अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। मंत्रालय से लेकर जिले तक के सभी अधिकारी अब से प्रत्येक शुक्रवार को दफ्तर छोड़कर फील्ड में जनमानस के सामने होंगे।जन-विश्वास अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में जाकर जनता से सीधा संवाद एवं जुड़ाव, शिकायतों एवं समस्याओं का शत-प्रतिशत निराकरण करना, फील्ड की वास्तविक स्थितियों का फीडबैक प्राप्त करना, प्रशासन के पर्यवेक्षण तंत्र को सुदृढ़ करना और प्रशासन की पारदर्शी और संवेदनशील छवि का निर्माण करना है।

अभियान में प्रत्येक सप्ताह शुक्रवार के दिन संपूर्ण प्रदेश में अपरिहार्य स्थिति को छोड़कर किसी भी स्तर पर कोई बैठक आयोजित नहीं होगी। यह दिन केवल फील्ड भ्रमण को समर्पित रहेगा। भोपाल से लेकर संभाग और जिले तक सभी वरिष्ठ अधिकारी फील्ड भ्रमण पर रहेंगे और अभियान में मुख्यमंत्री, मंत्रीगण, शासन के वरिष्ठ अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि भी सम्मिलित होंगे। अभियान का प्रारंभ 7 अगस्त 2026 से होगा। जिला कलेक्टर एक सप्ताह पूर्व भ्रमण का क्षेत्र चिन्हित करेंगे और जन-प्रतिनिधियों को अवगत कराएंगे। साथ ही मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा।

भ्रमण से एक सप्ताह पूर्व ही उस क्षेत्र के सी.एम. हेल्पलाईन, जन-सुनवाई और लोक सेवा गारंटी के लंबित प्रकरणों की समीक्षा, भ्रमण से पूर्व ही की जाएगी लंबित प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण किया जाएगा। निराकरण से शेष रहे प्रकरणों एवंभ्रमण के दौरान प्राप्त आवेदनों का मौके पर निराकरण किया जाएगा।

जन-संवाद से उ?द्योग संवाद- अभियान के तहत जिला कलेक्टर, जिले के अधिकारियों के साथ फील्ड में दौरा करेंगे। दो प्रकार के जन-संवाद और उ?द्योग संवाद आयोजित किए जाएंगे। एम.एस.एम.ई एवं कुटीर उ?द्योगों के उ?द्यमियो की समस्याओं का मौके पर निराकरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार जिलो में पहुँचेंगे, मुख्यमंत्री के भ्रमण-क्षेत्र में ही जिले का समाधान ऑनलाईन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। भ्रमण से पूर्व लंबित और भ्रमण के बाद प्राप्त आवेदनों की तुलना जांची परखी जाएगी। जिलों की परफॉरमेंस और मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के स्तर पर अभियान की नियमित समीक्षा की जायेगी।

सम्पूर्ण अभियान सादगी और मितव्ययिता से संचालित होगा। साज-सज्जा आदि गैर जरुरी व्ययों से परहेज किया जाएगा। साथ हीवाहनों की पूलिंग होगी और शासकीय संस्थाओं / सार्वजनिक स्थान पर पूर्व निर्मित भवन में ही संवाद किया जाएगा।

लंबित प्रकरणों का किया जाएगा शत-प्रतिशत निराकरण- सी.एम हैल्पलाईन एवं जनसुनवाई में प्राप्त भ्रमण क्षेत्र की लंबित शिकायतों का शत-प्रतिशत निराकरण, लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत दर्ज भ्रमण क्षेत्र के लंबित प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण, अविवादित नामांतरण, सीमांकन एवं बंटवारा के लंबित प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण और न्यायालयीन आदेश होने के उपरांत भी राजस्व अभिलेखों में अमल नहीं होने संबंधी लंबित प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण किया जाएगा।

आंध्र प्रदेश में दर्दनाक हादसाः नशे में धुत युवकों ने मेडिकल छात्रा को कार से कुचला, अस्पताल में ब्रेन डेड घोषित

अमरावती/ जीएनएस। आंध्र प्रदेश के राजमहेंद्रवरम शहर से एक बेहद दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक मॉल के बाहर दो युवकों ने नशे की हालत में अपनी कार से एक 28 साल की मेडिकल छात्रा को कुचल दिया। इस भयानक हादसे में छात्रा को गंभीर सिर पर चोटें आई, जिसके बाद डॉक्टरों ने उसे %ब्रेन डेड% घोषित कर दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना प्रकाश नगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र के तहत एवी अप्पा राव रोड पर स्थित एक मॉल के बाहर हुई। आरोपी दो युवक मॉल में जाने से पहले कथित तौर पर शराब के नशे में थे। मॉल के अंदर और बाहर किसी बात को लेकर उनकी वहां के सुरक्षाकर्मियों से तीखी बहस और झड़प हो गई थी।

झगड़े के बाद गुस्से में दोनों युवक अपनी कार में सवार होकर वहां से निकले। पुलिस का मानना है कि वे बेहद गुस्से और तनाव में थे। मॉल से निकलते ही उन्होंने सड़क पर खड़ी या जा रही मेडिकल छात्रा को अपनी कार से जोरदार टक्कर मार दी। छात्रा की पहचान प्रियंका के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार सीधे छात्रा के ऊपर से गुजर गई, जिससे उनके सिर में बहुत गंभीर चोटें आई।

जानकारी के अनुसार हादसे के तुरंत बाद छात्रा को राजमहेंद्रवरम के एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत बेहद नाजुक होने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर न्यूरोलॉजिकल इलाज के लिए रेफर कर दिया। परिवार के लोग अब उन्हें बेहतर इलाज और मेडिकल देखभाल के लिए हैदराबाद शिफ्ट कर रहे हैं। इस घटना के बाद से स्थानीय मेडिकल छात्रों और डॉक्टरों में भारी गुस्सा है। मेडिकल छात्रों ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है और मामले की निष्पक्ष जांच की आवाज उठाई है।

कर्नाटकः वॉलीबॉल मैच खेलते हुए 10वीं क्लास के छात्र की मौत, शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

कर्नाटक/ जीएनएस। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां 15 साल का बच्चा वॉलीबॉल खेलते-खेलते अचानक गिर गया और उसकी मौत हो गई। यह पूरी घटना CCTV में भी रिकॉर्ड हुई।

लड़के की पहचान दक्षिण कन्नड़ जिले में सुरथकल के पास सुरिंजे के कोटे बोलारू स्थित सरकारी हाई स्कूल के SSLC (10वीं क्लास) के छात्र लिखित अमीन के तौर पर हुई है। 10वीं क्लास में पढ़ने वाला ये लड़का लिखित अमीन सुरिंजे के खेल के मैदान में अपने दोस्तों के साथ वॉलीबॉल खेल रहा था, तभी अचानक उसकी तबीयत बिगड़ी और वह वॉलीबॉल कोर्ट पर गिर पड़ा।

CCTV फुटेज में लिखित को वॉलीबॉल सर्व करते और फिर विरोधी टीम के शॉट को वापस करने के लिए नेट की ओर दौड़ते हुए देखा गया, लेकिन कुछ ही पल बाद, वह अपने हाथ ऊपर उठाता है और अचानक जमीन पर गिर जाता है, जिसके बाद हैरान खिलाड़ी उसकी ओर दौड़ते हैं।

मुझे बचा लो, मौत से पहले अबान के आखिरी शब्द; चश्मदीदों ने बताया कैसा था मंजर?

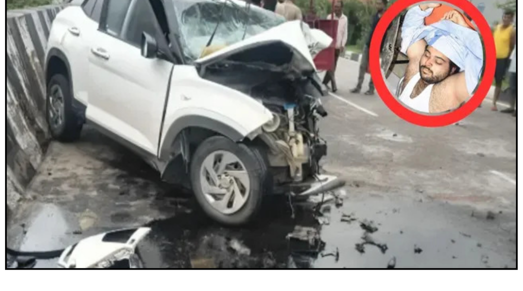

झांसी/ जीएनएस। हाइ-वे पर हुए इस हादसे के प्रत्यक्षदर्शी पप्पू यादव व दीपक यादव ने बताया कि वे वहाँ से निकल रहे थे। दीपक गुटखा खाने के लिए रुक गया। उसने देखा कि एक बछड़ा अचानक हाइ-वे पर आ गया और उसी समय एक बाइक वहां से निकली। ठीक उसी समय कानपुर की ओर से तेज रफ्तार में आ रही कार बछड़े को बचाने के चक्कर में अनियन्त्रित हो गई।

बाइक तो बच गई, मगर बछड़े को बचाने में अनियन्त्रित कार डिवाइडर से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। दीपक, पप्पू व अन्य लोग भागकर कार के पास पहुंचे तो देखा अंदर बैठा एक युवक बुरी तरह घायल था। वह बोल रहा था- मुझे बचा लो। लोगों ने उसे बाहर निकालने का प्रयास किया, मगर कार की खस्ता हालत के चलते उसे निकालने में दिक्कत आ रही थी।

इसलिए ग्रामीणों ने दर्द से तड़पते उस युवक को बाहर निकालने के लिए टायर लीवर व सब्बल (लोहे का रॉड) मंगाया और कांच तोड़कर किसी प्रकार उसे बाहर निकाला। उसे सड़क पर लिटाया और इसके बाद दूसरे घायल को निकाला। सूचना मिलते ही पुलिस अफसर भी तुरन्त मौके पर आ गए। थोड़ी देर में दोनों घायलों की मौत हो गई। तब तक ग्रामीणों व पुलिस ने कार में फंसे 3 अन्य घायलों को बाहर निकाल लिया।

मौसी के दामाद जहद की थी कार- कार को जहद चला था। यह कार उसे शादी में दहेज में मिली थी। जहद की सास अबान की मौसी हैं। उसके बगल वाली सीट पर अबान बैठा था। पीछे अन्य साथी बैठे थे। अबान के ठीक पीछे उसका दोस्त सोनू अहमद बैठा था।

एक साइड से डिवाइडर से टकराई कार और उसके बाद उसी साइड बैठे अबान व सोनू कार के मलबे में फँस गए, जबकि ड्राइवर साइड में बैठे जहद को भी गम्भीर चोट आई। उसे वेण्टिलेटर पर रखा गया। वहीं कार में पीछे बैठे दो दोस्त उमर व अहजाम को भी चोट आई हैं, लेकिन वे खतरे से बाहर हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार क्रेटा कार की रफ्तार 100 किलोमीटर प्रतिघण्टा से अधिक थी। ऐसे में जैसे ही कार चालक ने बछड़ा देखा और उसे बचाने का प्रयास किया तो गाड़ी अनियन्त्रित हो गई और हादसा हो गया।

दिल्ली-रेवाड़ी रेल रूट पर 7 अक्टूबर को 6 घंटे का बड़ा ब्लॉक, 25 से ज्यादा ट्रेनें होंगी प्रभावित

पटौदी/ जीएनएस। दिल्ली-रेवाड़ी रेलखंड पर ऑटोमैटिक सिग्नलिंग प्रणाली शुरू करने के लिए उत्तर रेलवे ने सात अक्टूबर को छह घंटे का ट्रैफिक ब्लॉक घोषित किया है।

इस दौरान 25 से अधिक मेल, एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। कई ट्रेनों को रद किया गया है, कुछ का मार्ग बदला जाएगा और कुछ विलंब से संचालित होंगी।

रेलवे के अनुसार, दिल्ली सराय रोहिल्ला, पटौदी रोड, दिल्ली कैंट और पालम स्टेशनों के बीच अप एवं डाउन दोनों लाइनों पर कार्य किया जाएगा।

कई स्टेशनों का स्टॉपेज होगा प्रभावित - ब्लॉक के कारण दिल्ली-रेवाड़ी मार्ग की बजाय कई ट्रेनों का संचालन दिल्ली-रोहतक-भिवानी-रेवाड़ी मार्ग से होगा, जिससे गुरुग्राम, गढ़ी हरसरू, पटौदी रोड, पालम और दिल्ली कैंट सहित कई स्टेशनों पर ठहराव प्रभावित रहेगा।

दैनिक रेल यात्री संघ के अध्यक्ष योगिन्द्र चौहान ने कहा कि लंबे समय से इस रेलखंड पर आटोमैटिक सिग्नलिंग की मांग की जा रही थी। इसके लागू होने से ट्रेनों का संचालन अधिक सुचारु रूप से होगा, सिग्नल के लिए अनावश्यक प्रतीक्षा कम होगी और समयबद्धता तथा लाइन क्षमता में सुधार आएगा।

पीएम मोदी की विदेश यात्रा पर 2021 से अब तक कितना खर्च? संसद में दी गई जानकारी

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्राओं पर कितना खर्च हुआ इसे लेकर सांसद में खुलासा किया गया।

विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को राज्यसभा में बताया कि 2021 के बाद से पीएम मोदी की विदेश यात्राओं पर होने वाला खर्च पांच गुना बढ़ गया है।

36 करोड़ से 180 करोड़ पहुंचा खर्च - विदेश मंत्रालय की ओर से बताया गया कि पीएम की यात्राओं पर सालाना खर्च 2021 में 36 करोड़ रुपये से ज्यादा था, जो 2025 में 180 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया।

विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्गेरिटा ने एक लिखित जवाब में बताया कि 2021 से प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं पर कुल खर्च 550 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

साल 2026 में अब तक खर्च 74।58 करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुका है, हालांकि कुछ आंकड़े अभी अस्थायी हैं और जून में हुई फ्रांस यात्रा का खर्च अभी तय होना बाकी है।

2021 से हर साल कितना खर्च- केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इस साल जिन दौरों का खर्च जोड़ा गया है, उनमें मई में प्रधानमंत्री के पांच देशों के दौरे के दौरान नॉर्वे यात्रा पर सबसे ज्यादा 17।46 करोड़ रुपये खर्च हुए।

विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, पीएम मोदी की विदेश यात्राओं पर खर्च 2021 में 36 करोड़ रुपये से ज्यादा, 2022 में 55 करोड़ रुपये, 2023 में 93 करोड़ रुपये, 2024 में 109 करोड़ रुपये और 2025 में 180 करोड़ रुपये से ज्यादा रहा। इस खर्च का बचाव करते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा कि जुलाई 2021 से विदेश यात्राओं के दौरान 316 रू्भ और समझौते किए गए हैं।

धार्मिक भावनाएं आहत करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं महुआ मोइत्रा, हाई कोर्ट के आदेश को दी चुनौती

कोलकाता/ जीएनएस। धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में दर्ज मामले में तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। उनके मामले पर अगले सप्ताह सुनवाई होने की संभावना है।

हाई कोर्ट ने जांच जारी रखने की अनुमति देते हुए महुआ को संसद सत्र समाप्त होने के बाद 14 अगस्त को जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया था। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने अपने आदेश में कहा था कि पुलिस कानून के अनुसार जांच जारी रख सकती है। साथ ही निर्देश दिया था कि 14 अगस्त को महुआ के थाने पहुंचने पर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, ताकि उनके साथ किसी प्रकार की अभद्रता, अंडे फेंकने या अन्य तरह की प्रताड़ना की घटना न हो।

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया था कि पांच अक्टूबर या अगले आदेश तक पुलिस उनके खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई नहीं करेगी, हालांकि उन्हें जांच में पूरा सहयोग करना होगा।

गौरतलब है कि एक जुलाई को नदिया जिले में विरोध प्रदर्शन के दौरान महुआ मोइत्रा के काफिले पर अंडे और पत्थर फेंके जाने का आरोप लगा था। इसी दौरान बुर्का को लेकर उनकी कथित विवादित टिप्पणी के बाद स्थानीय थाने में उनके खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने का मामला दर्ज किया गया था।

7 अगस्त से इंदौर संभाग के सभी 8 जिलों में शुरू होगा मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान

खंडवा में थीम आधारित कार्यक्रम होंगे अभियान की विशेष पहचान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में प्रदेशभर में 07 अगस्त 2026 से ÷मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान-2026÷ का शुभारंभ किया जा रहा है। यह अभियान 08 जनवरी 2027 तक प्रत्येक शुक्रवार संचालित होगा। अभियान के तहत शासन के वरिष्ठ अधिकारी, जिला प्रशासन और विभागीय अधिकारी सीधे गांवों, कस्बों और नगरीय क्षेत्रों में पहुंचकर आमजन से संवाद करेंगे, शिकायतों का मौके पर निराकरण किया जायेगा तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की जायेगी। इंदौर संभाग के सभी 8 जिलों ङ्क इंदौर, धार, झाबुआ, आलीराजपुर, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर और बड़वानी में अभियान के तहत चरणबद्ध रूप से कुल 146 क्लस्टरों पर जन विश्वास कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक जिले में पूर्व निर्धारित क्लस्टर, ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों में शिविर लगाकर राजस्व, स्वास्थ्य, कृषि, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, नगरीय प्रशासन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, उद्योग सहित विभिन्न विभागों की सेवाएं आमजन तक पहुंचाई जाएंगी।

अभियान का शुभारंभ 07 अगस्त को सभी जिलों में निर्धारित स्थलों से होगा - इंदौर जिले में महू क्षेत्र के ग्राम अम्बाचन्दन से जन विश्वास कार्यक्रम प्रारंभ होगा। इंदौर जिले में 7 अगस्त 2026 से 8 जनवरी 2027 तक कुल 19 क्लस्टरों में कार्यक्रम आयोजित होंगे।

खंडवा जिले में हरसूद विकासखंड के सुंदरदेव से अभियान की शुरुआत होगी। यहां ÷दागना प्रथा एवं कुपोषण पर संवाद एवं प्रशिक्षण÷ विषय पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके बाद प्रत्येक सप्ताह अलग-अलग विषयों जैसे प्याज उत्पादन, उद्यानिकी, आधुनिक कृषि तकनीक, पशुपालन, मत्स्य पालन, पर्यटन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं प्रगतिशील किसान संवाद पर आधारित कार्यक्रम होंगे, जिससे खंडवा का अभियान पूरे संभाग में विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। जिले में निर्धारित कुल 19 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।

खरगोन जिले में अभियान की शुरुआत सेगांव विकासखंड के केली से होगी। यहां से लेकर जनवरी 2027 तक जिले में कुल 23 जन विश्वास कार्यक्रम निर्धारित किए गए हैं।

बड़वानी जिले में अभियान का शुभारंभ सेंधवा औद्योगिक क्षेत्र में उद्योगों के साथ संवाद तथा बोरलाय क्लस्टर से होगा। जिले में 22 जन विश्वास कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें ग्राम पंचायत क्लस्टरों एवं औद्योगिक क्षेत्रों में जनसंवाद होगा।

आलीराजपुर जिले में 7 अगस्त को कट्ठिवाड़ा जनपद के सौरवा में जन विश्वास कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। जिले में निर्धारित अलग-अलग क्लस्टरों में 8 जनवरी तक कुल 20 जन विश्वास कार्यक्रम आयोजित होंगे।

इसी प्रकार धार जिले में कुल 18 जन विश्वास कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ धार मुख्यालय से प्रारंभ होकर पीथमपुर, तिरछा, नालछा, माण्डव आदि निर्धारित स्थलों पर जन विश्वास के कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।

झाबुआ जिले में पेटलावद, रामा, मेघनगर, राणापुर, झाबुआ और थांदला ब्लॉकों में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित होंगे।

बुरहानपुर जिले में जनपद पंचायत बुरहानपुर के ग्राम पंचायत जम्बुपानी से जन विश्वास कार्यक्रम की शुरूआत होगी। जिले में 07 अगस्त से निर्धारित कार्यक्रमों के साथ कुल 19 स्थलों पर कार्यक्रम आयोजित होंगे।

संभाग में सैकड़ों ग्राम पंचायतों तक पहुंचेगा अभियान- मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के माध्यम से इंदौर संभाग के आठों जिलों में सैकड़ों ग्राम पंचायतों, क्लस्टरों एवं नगरीय निकायों तक प्रशासन पहुंचेगा। प्रत्येक शुक्रवार आयोजित होने वाले शिविरों में राजस्व प्रकरणों का निराकरण, स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा, कृषि एवं सिंचाई संबंधी समस्याओं का समाधान, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी, उद्योगों के साथ संवाद, महिला एवं बाल विकास योजनाओं की समीक्षा तथा अन्य विभागीय सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जाएगा।

अभियान का मुख्य उद्देश्य शासन को जनता के द्वार तक पहुंचाना है। अधिकारी गांवों और शहरों में भ्रमण कर विकास कार्यों का निरीक्षण करेंगे, जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों से संवाद करेंगे तथा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, जनसुनवाई और अन्य लंबित प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करेंगे। पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ-साथ विभागीय सेवाओं का त्वरित निराकरण भी सुनिश्चित किया जाएगा। यह अभियान प्रशासन और आमजन के बीच विश्वास, पारदर्शिता और त्वरित समाधान की नई पहल के रूप में संचालित किया जाएगा। खंडवा में प्रत्येक कार्यक्रम को स्थानीय विषयों पर आधारित थीम के साथ आयोजित कर इसे विशेष स्वरूप दिया गया है।

27 से अधिक गंभीर मामलों का आरोपी अनवर कादरी उर्फ डकैत गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस ने शहर के कुख्यात आदतन अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए 27 से अधिक गंभीर आपराधिक मामलों में शामिल आरोपी अनवर कादरी उर्फ डकैत को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और उसके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, बलवा, अवैध हथियार तथा अन्य गंभीर अपराधों के कई मामले दर्ज हैं।पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) श्री मयंक अवस्थी के निर्देश पर पुलिस उपायुक्त जोन-1 श्री नरेंद्र सिंह रावत, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्री सुमित केरकट्टा तथा सहायक पुलिस आयुक्त मल्हारगंज श्री अशोक सिंह जादौन के मार्गदर्शन में थाना सदर बाजार पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, फरवरी 2025 में आरोपी अनवर कादरी ने फरियादी जावेद खान के घर में लाइसेंसी बंदूक के साथ जबरन घुसकर मारपीट और जान से मारने की धमकी दी थी। मामले की जांच के दौरान खुलासा हुआ कि आरोपी ने जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले से जारी फर्जी शस्त्र लाइसेंस के आधार पर हथियार हासिल किया था। इसके बाद थाना सदर बाजार में अपराध क्रमांक 187/2025 के तहत आर्म्स एक्ट और धोखाधड़ी, जालसाजी तथा फर्जी दस्तावेज तैयार करने की धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई थी। लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने 6 अगस्त 2026 को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान उससे फर्जी शस्त्र लाइसेंस और अन्य आपराधिक गतिविधियों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस के अनुसार, अनवर कादरी उर्फ ÷डकैत÷ के खिलाफ इंदौर के विभिन्न थानों में मारपीट, बलवा, अवैध हथियार, लूट, हत्या और हत्या के प्रयास सहित 27 से अधिक गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। थाना बाणगंगा में दर्ज अपराध क्रमांक 799/2025 और 800/2025 में भी वह लंबे समय तक फरार रहा था। इन मामलों में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के साथ धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत भी अपराध दर्ज किए गए हैं। आरोपी की आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए उसके खिलाफ पूर्व में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत भी कार्रवाई की जा चुकी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक पप्पू लाल शर्मा, उप निरीक्षक जयेन्द्र दत्त शर्मा, प्रधान आरक्षक सुधीर राय तथा आरक्षक कृष्ण कुमार त्रिपाठी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि शहर में आदतन और गंभीर अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

महापौर के चार साल नाकामियों और घोटालों से भरे रहे, इंदौर के हितों की अनदेखी हुई : कांग्रेस

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चिंटू चौकसे और नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव के चार वर्ष के कार्यकाल को पूरी तरह विफल बताते हुए उन पर शहर के विकास की अनदेखी, भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने और गंभीर मामलों में दोषियों को बचाने के आरोप लगाए। पत्रकार वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने कहा कि महापौर के कार्यकाल में इंदौर की पहचान विकास के बजाय घोटालों और प्रशासनिक नाकामियों से जुड़ गई है।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि महापौर के कार्यकाल की शुरुआत में हुए बेलेश्वर धाम हादसे में 36 लोगों की जान गई, लेकिन इस मामले में दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि निलंबित इंजीनियरों को दोबारा महत्वपूर्ण पदों पर बैठा दिया गया और मृतकों के परिजनों को न तो नगर निगम की ओर से आर्थिक सहायता मिली और न ही आश्रितों को नौकरी दी गई। इसी तरह भागीरथपुरा हादसे में भी 36 लोगों की मौत हुई, लेकिन अब तक यह स्पष्ट नहीं हो सका कि हादसे के लिए कौन जिम्मेदार था और किसी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई। चिंटू चौकसे ने आरोप लगाया कि महापौर अपने पूरे कार्यकाल में इंदौर के हितों के लिए राज्य सरकार के सामने प्रभावी ढंग से आवाज नहीं उठा सके।

संभागायुक्त श्री लक्षकार ने विकास कार्यों में संलग्न 11 विभागों के प्रचलित कार्यों की गहन समीक्षा की

विभागों को संभागायुक्त की हिदायत, कोई भी भवन बिना एप्रोच रोड़ वाला नहीं बनाये

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त श्री भास्कर लक्षकार ने आज संभागायुक्त कार्यालय में विकास एवं निर्माण कार्यों में संलग्न 11 विभागों एवं निर्माण एजेंसियां के कार्यों की गहन समीक्षा की। बैठक में संभागायुक्त श्री लक्षकार ने लोक निर्माण विभाग, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, एमपीआईडीसी, मध्यप्रदेश पुलिस आवासीय विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों द्वारा किये जा रहे विकास कार्यों की प्रगति ?रिपोर्ट देखी और उसकी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विकास कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखें और लगातार मॉनिटरिंग कर उसकी समीक्षा करें। संभागायुक्त श्री लक्षकार ने विकास कार्यों में संलग्न सभी निर्माण एजेंसियों एवं विभागीय अधिकारियों से कहा कि ऐसे निर्माण कार्य जहां डीपीआर में सड़क सहित सांदीपनी विद्यालय, अस्पताल आदि भवन शामिल नहीं है, उसके लिये पृथक से एप्रोच रोड़ बनाई जाये या कलेक्टरों को इस संबंध में अवगत कराये। इसके अलावा संबंधित भवन में हेंडओवर से पूर्व कमियों की रिपोर्ट बनाकर संबंधित विभाग को अवगत कराये। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में आयोजित कलेक्टर्स-कमिश्नर कांफ्रेंस में इन विषयों को रखा जायेगा।

बैठक में इंदौर में निर्माणाधीन एमवाय अस्पताल का नवीन भवन, सियागंज में कमर्शियल काम्पलेक्स, सांवेर रोड़ पर निर्माणाधीन केन्द्रीय जेल, इंदौर में अष्टांग आयुर्वेद कॉलेज, सांवेर में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जनपद पंचायत भवन, धार में प्रस्तावित कलेक्ट्रेट भवन, सांदीपनी विद्यालय आदि पर चर्चा की गई।

बैठक में अधिकारियों द्वारा भूमि आवंटन, शासकीय भूमि पर अतिक्रमण, विद्युत पुल स्थानांतरण, भूमि हस्तांतरण, प्रशासकीय स्वीकृति संबंधी कमियां बताई।

बैठक में विभिन्न विभागों एवं निर्माण एजेंसियों के अधिकारी, मुख्य अभियंता, परियोजना अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

आयुक्त ने पौधारोपण स्थलों का किया निरीक्षण, नदी-तालाब किनारे बांस लगाने और ग्रीन बेल्ट में गैप फिलिंग के दिए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने गुरुवार सुबह शहर के विभिन्न क्षेत्रों में किए गए पौधारोपण कार्यों का निरीक्षण कर उनकी प्रगति और पौधों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को नदी एवं तालाब किनारे मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए बांस के पौधे लगाने तथा शहर की सभी ग्रीन बेल्ट और डिवाइडरों में रिक्त स्थानों पर पौधारोपण कर गैप फिलिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने सिरपुर तालाब, माणिक बाग रोड, चौइथराम मंडी क्षेत्र, राजीव गांधी चौराहा और नहर भंडारा सहित विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान अपर आयुक्त श्री श्रृंगार श्रीवास्तव, उद्यान अधिकारी श्री शांतिलाल यादव तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान श्री सिंघल ने सिरपुर तालाब एवं उसके आसपास किए गए पौधारोपण कार्यों का अवलोकन किया।

महिला एवं बाल विकास विभाग में पहली बार 80 परियोजना अधिकारियों को पदोन्नति

पदोन्नत सहायक संचालकों ने मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया का किया अभिनंदन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों के हित में लिए जा रहे सकारात्मक निर्णयों के क्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग में पहली बार 80 परियोजना अधिकारियों को सहायक संचालक पद पर पदोन्नति का लाभ मिला है। इसमें इंदौर जिले के 9 परियोजना अधिकारी शामिल है।

इस महत्वपूर्ण निर्णय पर पदोन्नत सहायक संचालकों ने भोपाल स्थित 74 बंगला निवास पर महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया से सौजन्य भेंट कर उनका अभिनंदन किया तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। अधिकारियों ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व और मंत्री सुश्री भूरिया के सक्रिय प्रयासों से लंबे समय से लंबित

पदोन्नति प्रक्रिया को गति मिली, जिससे बड़ी संख्या में अधिकारियों को उनके कार्य एवं अनुभव के अनुरूप दायित्व प्राप्त हुआ है।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा हाल ही में 80 परियोजना अधिकारियों को सहायक संचालक पद पर पदोन्नति के आदेश जारी किए गए हैं। विभाग के इतिहास में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में अधिकारियों को एक साथ पदोन्नति का लाभ मिला है, जिससे विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों में हर्ष और उत्साह का वातावरण है। उल्लेखनीय है कि मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने विगत दिनों विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण कर पात्र अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तत्काल पदोन्नति का लाभ दिलाने के स्पष्ट निर्देश दिए थे। उनके निर्देशों के परिणामस्वरूप विभागीय पदोन्नति प्रक्रिया तेज गति से पूरी हुई और बड़ी संख्या में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इसका लाभ प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने पदोन्नत सहायक संचालकों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पदोन्नति केवल सम्मान नहीं, बल्कि जनसेवा की नई जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी पूरी निष्ठा, समर्पण और संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं, बच्चों और किशोरियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

पदोन्नत सहायक संचालकों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि वे नई जिम्मेदारियों का पूरी ईमानदारी एवं प्रतिबद्धता के साथ निर्वहन करेंगे तथा विभाग की सभी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध एवं प्रभावी रूप से पहुंचाने के लिए पूर्ण समर्पण से कार्य करेंगे। इंदौर से श्री राजेन्द्र मंडलोई,श्री रवि शर्मा,श्री विक्रमसिंह चौहान,चित्रा यादव,श्रीमती रेखा शर्मा,श्रीमती वर्षा चौहान तथा अन्य जिलों से आये सहायक संचालक शामिल थे।

कैलास मानसरोवर में इंदौरियों ने चलाया स्वच्छता अभियान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर स्वच्छता के प्रति प्रेम के चलते लोगों की सोच से भी होती है। शहर के लोग जहां भी जाते हैं, वहां सफाई का संदेश देने की कोशिश करते हैं। यही वजह है कि इंदौर लगातार स्वच्छता में देशभर में अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। इसी सोच को लेकर इंदौर के पांच यात्रियों ने कैलास मानसरोवर यात्रा के दौरान भी स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने कठिन परिस्थितियों के बीच न केवल लोगों को जागरूक किया, बल्कि यात्रा मार्ग पर फैला कूड़ा-कचरा भी इकट्ठा किया। इंदौर निवासी कमलेश गुप्ता ने 1 से 16 जुलाई तक काठमांडू मार्ग से कैलास मानसरोवर की यात्रा पूरी की। उनके साथ उनकी पत्नी सुषमा गुप्ता और महू के तीन साथी नेहल अग्रवाल, वंशिका अग्रवाल और पीयूषा अग्रवाल भी थे।

उन्होंने बताया कि तिब्बत क्षेत्र में अक्सर यह शिकायत सुनने को मिलती है कि कुछ भारतीय यात्री यात्रा के दौरान कूड़ा-कचरा फैला देते हैं। इससे भारत की छवि भी प्रभावित होती है। इसी वजह से वहां कई तरह की धार्मिक गतिविधियों पर भी पहले से कई सीमाएं लगाई जा चुकी हैं। इसे देखते हुए समूह ने यात्रा शुरू होने से पहले स्वच्छता जागरूकता के लिए विशेष बैनर तैयार करवाए। 5643 मीटर की ऊंचाई पर की सफाई

कमलेश गुप्ता ने बताया कि यात्रा के दौरान समूह ने कई स्थानों पर यात्रियों को सफाई के लिए प्रेरित किया। सबसे खास अभियान कैलाश परिक्रमा के सबसे ऊंचे स्थान डोलमा ला दर्रे पर चलाया गया। समुद्र तल से 5643 मीटर की ऊंचाई पर स्थित इस स्थान पर ऑक्सीजन की कमी के कारण कुछ कदम चलने पर ही सांस फूलने लगती है।

आमतौर पर यात्रियों को वहां केवल पांच से दस मिनट रुकने दिया जाता है।

भाजपा मंडलों की मासिक बैठक संपन्न, हर घर तिरंगा अभियान और कलश रथ यात्रा की तैयारियों पर मंथन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी इंदौर ग्रामीण जिले के चारों मंडलों की मासिक बैठक बुधवार को जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा एवं जिला प्रभारी शैलेंद्र डागा की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों, चल रहे अभियानों और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देशानुसार मंडलों की नियमित मासिक बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इन बैठकों में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा के साथ आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जाती है। उन्होंने बताया कि संत शिरोमणि रविदास जयंती, हर घर तिरंगा अभियान तथा 16 अगस्त से शुरू होने वाली कलश रथ यात्रा को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने का आह्वान किया।

जिला प्रभारी शैलेंद्र डागा ने कहा कि संगठन की गतिविधियों और सरकार की उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से समाज तक पहुंचाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

इंदौर में आयोजित ISFMG- 2026 सुरक्षित एवं टिकाऊ आधारभूत संरचनाओं के निर्माण में बनेगी मील का पत्थर : मंत्री तुलसीराम सिलावट

इंदौर में 12वीं अंतरराष्ट्रीय फील्ड मॉनिटरिंग इन जियोमैकेनिक्स संगोष्ठी का शुभारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने गुरुवार को इंदौर के होटल रेडिसन में आयोजित 12वीं अंतरराष्ट्रीय फील्ड मॉनिटरिंग इन जियोमैकेनिक्स संगोष्ठी (ढ्ढस्नरूत्र-2026) का शुभारंभ किया। यह संगोष्ठी 10 अगस्त तक आयोजित होगी। इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 30 से अधिक देशों के लगभग 250 वैज्ञानिक, शोधकर्ता, अभियंता, सरकारी अधिकारी तथा उद्योग जगत के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

अपने उद्बोधन में मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने देश-विदेश से आए सभी विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह सम्मेलन जल संसाधनों और आधारभूत संरचनाओं की सुरक्षा एवं सतत विकास की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि बांध, जलाशय, नहरें, पुल, सुरंगें तथा अन्य सार्वजनिक संरचनाएं किसी भी राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला होती हैं। इनकी नियमित निगरानी और आधुनिक तकनीकों के उपयोग से संभावित जोखिमों की समय रहते पहचान कर जन-सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है तथा रखरखाव की लागत भी कम की जा सकती है।

श्री सिलावट ने कहा कि मध्यप्रदेश में नदियों, बांधों और सिंचाई परियोजनाओं का व्यापक नेटवर्क है। ऐसे में इस संगोष्ठी में साझा किए जाने वाले वैश्विक अनुभव, अनुसंधान और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियां प्रदेश के जल प्रबंधन, सिंचाई व्यवस्था, बाढ़ नियंत्रण तथा आपदा प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होंगी। उन्होंने सरकार, शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग जगत एवं अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के बीच बेहतर समन्वय और सहयोग की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने इस प्रतिष्ठित सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए आईआईटी इंदौर की प्रो. नीलिमा सत्यम एवं उनकी पूरी टीम, इंडियन जियोटेक्निकल सोसायटी तथा सहयोगी संस्थाओं को बधाई दी। साथ ही सभी प्रतिभागियों से इंदौर एवं मध्यप्रदेश की समृद्ध संस्कृति, विरासत और आतिथ्य का अनुभव करने का आग्रह करते हुए सम्मेलन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि 12वीं अंतरराष्ट्रीय फील्ड मॉनिटरिंग इन जियोमैकेनिक्स संगोष्ठी (ढ्ढस्नरूत्र-2026) का इंदौर में आयोजन मध्यप्रदेश और देश के लिए गौरव का विषय है। यह पहली बार है जब इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भारत में हो रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस संगोष्ठी से प्राप्त ज्ञान, नवीन तकनीकों और वैश्विक अनुभवों का लाभ देश और प्रदेश में सुरक्षित, सुदृढ़ एवं टिकाऊ आधारभूत संरचनाओं के निर्माण में मिलेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के हर घर जल संकल्प और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में जल संरचनाओं के संरक्षण और सुदृढ़ीकरण पर विशेष बल दिया जा रहा है। आधुनिक फील्ड मॉनिटरिंग तकनीकों की मदद से आधारभूत संरचनाओं में संभावित जोखिमों की समय रहते पहचान कर बांध सुरक्षा, सिंचाई प्रबंधन, बाढ़ नियंत्रण और आपदा प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

शादी का झांसा देकर बिहार की महिला को मध्यप्रदेश लाने का मामला, विवाद के बाद दर्ज किया केस, ग्रामीणों ने महिला उपनिरीक्षक पर लगाए लापरवाही के आरोप

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम बरखेड़ा जयसिंह में बिहार की एक गर्भवती महिला को कथित रूप से शादी का झांसा देकर मध्यप्रदेश लाने का मामला तूल पकड़ गया है। ग्रामीणों द्वारा पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाने और विरोध के बाद आखिरकार पिपलियामंडी पुलिस ने महिला की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर लिया। वहीं ग्रामीणों ने थाने में पदस्थ महिला सब-इंस्पेक्टर जया भारद्वाज पर कार्रवाई में लापरवाही बरतने और आरोपी पक्ष से कथित लेन-देन के कारण तत्काल प्रकरण दर्ज नहीं करने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। जानकारी के अनुसार बिहार के पूर्वी चम्पारण जिले की रहने वाली सोनी खातून (25) ने पुलिस में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि पति से विवाद के बाद वह काम की तलाश में केरल से उज्जैन आई थी। वहां रेलवे स्टेशन पर उसकी मुलाकात बरखेड़ा जयसिंह निवासी दिलीप बैरागी से हुई। महिला का आरोप है कि दिलीप ने उसे दूसरी शादी कराने का भरोसा दिलाया और अपने गांव ले आया, जहां वह पिछले सात-आठ दिनों से उसके घर रह रही थी।

महिला ने रिपोर्ट में बताया कि 5 अगस्त को कथित तौर पर शादी के लिए कुछ लोग उसे देखने आए थे और अगले दिन लड़के का घर दिखाने की बात कही गई। शाम को जब दिलीप ने उससे अपने घर का काम करने को कहा तो उसने यह कहते हुए मना कर दिया कि वह शादी होने के बाद ही काम करेगी। इसी बात पर आरोपी ने कथित रूप से गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की, जिससे सिर, पेट और हाथ में चोट आई। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। महिला के अनुसार शोर सुनकर गांव के नरेंद्र सिंह, ईश्वर सिंह और योगेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे, जिनकी मदद से वह थाने पहुंची। घटना के बाद ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि महिला लगातार रो रही थी और अपने घर वापस जाने की बात कह रही थी। सूचना पर डायल-112 उसे थाने ले गई, जहां ग्रामीणों ने तत्काल एफआईआर दर्ज करने की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि महिला सब-इंस्पेक्टर जया भारद्वाज ने शुरुआत में प्रकरण दर्ज नहीं किया और महिला को घर ले जाने की बात कही। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी पक्ष से कथित लेन-देन के कारण निष्पक्ष कार्रवाई नहीं की जा रही थी। इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीण मांगूसिंह शक्तावत ने आरोप लगाया कि महिला को समय पर न्याय नहीं मिला और सामान्य धाराओं में कार्रवाई की गई। वहीं थाना प्रभारी विक्रमसिंह इवने ने बताया कि शुरुआत में महिला एफआईआर दर्ज कराने के लिए तैयार नहीं थी और केवल अपने घर वापस जाने की बात कह रही थी। साथ ही उस समय कोई ग्रामीण भी शिकायतकर्ता बनने को तैयार नहीं था। बाद में महिला की सहमति मिलने पर उसकी शिकायत के आधार पर प्रकरण दर्ज कर लिया गया। आरोपी के खिलाफ धारा 296 (बी) 115 (2) 351 (3) में केस दर्ज किया है। ग्रामीणों ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए मामले में ये और गंभीर धराए बढ़ाने की मांग की है।

स्मार्ट मीटर विरोध में दर्ज केस समाप्त कीजिए, जिला कांग्रेस ने पुलिस कप्तान को सौंपा ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्मार्ट मीटर के विरोध में आंदोलन करने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पुलिस द्वारा प्रकरण दर्ज करने पर गुरुवार को जिला कांग्रेस का प्रतिनिधि मण्डल पुलिस कप्तान विनोद कुमार मीना से मिला। प्रतिनिधिमण्डल ने 11 कांग्रेसजनों पर दर्ज प्रकरणों को समाप्त करने की मांग की। बता दें कि 31 जुलाई को स्मार्ट मीटर के खिलाफ शांतिपूर्ण आंदोलन किया गया था। इसमें शामिल जिला पंचायत सदस्य दीपक सिंह गुर्जर, वसीम खान, योगेन्द्र गौड, संदीप सलोद, सुरेश भाटी, शाहनवाज, आसिफ खान, रोहित राज, अरबाज, मंगल पाटीदार और राजपाल के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेन्द्रसिंह गुर्जर के नेतृत्व में पुलिस कप्तान को सौंपे ज्ञापन में कहा गया कि आंदोलन का उद्देश्य आम जनता की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाना था। ज्ञापन में उल्लेख किया गया, पुलिस की कार्रवाई जनभावनाओं के अनुरूप नहीं है। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखना हर नागरिक और जनप्रतिनिधि का संवैधानिक अधिकार है। यह कार्रवाई कठोर और अनुचित है। कांग्रेस ने मांग की कि दर्ज सभी प्रकरणों की निष्पक्ष समीक्षा कर उन्हें समाप्त किया जाए। इस दौरान पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटिल, जिला अनुशासन समिति अध्यक्ष प्रकाश रातडिया, कांग्रेस नेता परशुराम सिसौदिया, जिला संगठन महासचिव अजय लोढा, ब्लाक अध्यक्ष इष्टा भाचावत, मनजीतसिंह टुटेजा, प्रवीण मांगरिया, शुभम कुमावत, विनोद शर्मा सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में पशुपालन एवं डेयरी विभाग की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के सभी पात्र पशुपालकों के किसान क्रेडिट कार्ड के प्रकरण तैयार कर समय-सीमा में केसीसी जारी कराना सुनिश्चित करें, ताकि कोई भी पात्र पशुपालक इस सुविधा से वंचित न रहे।

कलेक्टर श्री चंद्रा ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में पशुपालन की महत्वपूर्ण भूमिका है। पशुपालकों को केसीसी के माध्यम से ऋण सुविधा उपलब्ध होने से उनकी आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा उनकी आय में वृद्धि होगी। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि केसीसी से संबंधित कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जाए।

बैठक में कलेक्टर ने सेक्टरवार कृत्रिम गर्भाधान एवं एफएमडी (मुंहपका-खुरपका) टीकाकरण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि 15 अगस्त तक दोनों कार्यों में शत-प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित की जाए। निर्धारित लक्ष्य पूर्ण नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

समीक्षा के दौरान आचार्य विद्यासागर योजना, डेयरी प्लस योजना, बैकयार्ड योजना एवं बकरी पालन योजना की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

पुलिस पेंशनर संघ ने पुलिस व सुरक्षा बलों के संरक्षण के लिए सुरक्षा बल प्रोटेक्शन एक्ट की मांग की

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विगत 20 जुलाई को हुए नीट पेपर लीक के विरोध में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर सीजेपी पार्टी के तत्वाधान में पूर्व नियोजित छात्रों का एक बड़ा आंदोलन आयोजित था। छात्र आंदोलन के दौरान कुछ असामाजिक एवं आपराधिक तत्वों के द्वारा पूर्व नियोजित षड्यंत्र के तहत छात्रों की आड़ में कानून व्यवस्था भंग करने, तोड़फोड़, आगजनी तथा शासकीय और निजी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं की जा रही थीं और संसद का घेराव करने का प्रयास किया जा रहा था। शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में ड्यूटी पर तैनात पुलिस व सुरक्षा बलों के साथ गंभीर मारपीट कर जानलेवा हमले किए गए, जिससे लगभग 200 पुलिस एवं सुरक्षा कर्मियों के अधिकारी-कर्मचारी घायल हुए हैं।

पुलिस पेंशनर संघ मध्य प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह परिहार ने बताया कि घटना में ऐसे अनेक आपराधिक तत्वों की संलिप्तता सामने आई है जिनके विरुद्ध हत्या का प्रयास, हत्या, एनडीपीएस एक्ट, अपहरण सहित अन्य गंभीर आपराधिक प्रकरण लंबित बताए जा रहे हैं। विडंबना यह रही कि केवल पुलिस द्वारा कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कानूनी प्राप्त अधिकारों के तहत जो बल प्रयोग किया गया उसको छात्रों पर पुलिस की बर्बरता बताया गया, लेकिन पुलिस व सुरक्षा बलों के साथ जो गंभीर मारपीट एवं जानलेवा हमले हुए हैं उसको नहीं बताया गया है। और न ही भारत सरकार के द्वारा इस ओर कोई विज्ञप्ति जारी की गई। इसी तारतम्य में पुलिस पेंशनर संघ मध्यप्रदेश द्वारा सभी जिलों एवं मंदसौर के गांधी चौराहे पर पुलिस पेंशनर्स संघ मध्य प्रदेश, दशपुर जागृति संगठन, विप्र परिषद, जिला धार्मिक उत्सव समिति, अधिकारी-कर्मचारी पेंशनर्स एसोसिएशन और अन्य सामाजिक संगठनों के द्वारा पुलिस पेंशनर संघ मध्य प्रदेश के बैनर तले तहसीलदार प्रेम शंकर पटेल को प्रधानमंत्री, गृहमंत्री एवं मुख्यमंत्री व संपूर्ण भारत के मुख्यमंत्रियों के नाम ज्ञापन दिया गया। जिसमें निम्न मांगें की गई कि आंदोलन एवं सार्वजनिक प्रदर्शनों में असामाजिक एवं आपराधिक तत्वों की घुसपैठ रोकने हेतु प्रभावी व्यवस्था की जाए। जंतर-मंतर की घटना में पुलिस एवं सुरक्षा बलों पर हमला करने वाले दोषियों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर एवं त्वरित कानूनी कार्रवाई की जाए। पुलिस एवं सुरक्षा बलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कठोर प्रावधानों वाला पुलिस एवं सुरक्षा बल संरक्षण अधिनियम लागू किया जाए। कार्यक्रम में जिला भाजपा उपाध्यक्ष एवं धार्मिक व सामाजिक कार्यों में अग्रणी विनय दुबेला, समाजसेवी अजीजुल्लाह खान, राजाराम तंवर, दशपुर जागृति संगठन के जिला उपाध्यक्ष बालू सिंह सिसोदिया, विप्र परिषद व दशपुर जागृति संगठन के कार्यवाहक अध्यक्ष हरिशंकर शर्मा, पुलिस पेंशनर संघ मंदसौर जिलाध्यक्ष शंभूसिंह चुंडावत, कार्यवाहक जिलाध्यक्ष ब्रजेश दुबे, अन्य पदाधिकारी नाहरसिंह सिसोदिया, रतनसिंह सिसोदिया, सुदामा प्रसाद ओझा, सदानंद पांडे, अवधेश मिश्रा, नरेंद्र व्यास, रहीम बेग, इकबाल बेग, शिव शंकर सिंह तोमर, विनोद बिज्रवानी, लायक खान, रमेश चंद मालवीय, राधेश्याम परमार और महिला उपाध्यक्ष सुश्री पुष्पा राठौड़, रायसिंह यादव, राजपूत समाज सभा के बृजेंद्र सिंह चौहान आदि तमाम सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आभार जिलाध्यक्ष शंभूसिंह चुंडावत ने माना।

कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने मंदसौर कृषि उपज मंडी का निरीक्षण किया, किसानों से चर्चा की, निर्देश दिए

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने गुरुवार को मंदसौर कृषि उपज मंडी का निरीक्षण किया। मंडी के विभिन्न स्थानों का भ्रमण करते मंडी संचालन प्रक्रिया का अवलोकन किया किसानों से चर्चा की। इस दौरान एसडीएम शुभम पाटीदार तथा कर्मचारी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मंडी परिसर में उपस्थित लहसुन उत्पादक किसानों से चर्चा की, फसल नीलामी प्रक्रिया के संबंध में जानकारी प्राप्त की, लहसुन की गुणवत्ता का अवलोकन किया। किसानों को मंडी परिसर में दी जा रही सुविधाओं के बारे में पूछताछ की गई। किसानों द्वारा की गई शिकायतों के निराकरण के संबंध में एसडीएम को दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर ने व्यापारी की दुकान पर पहुंच कर किसानों को भुगतान प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की।

चौथे दिन भी जारी रही पटवारियों की हड़ताल, राजस्व कार्य प्रभावित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेशव्यापी आंदोलन के तहत अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर जिले के पटवारियों की हड़ताल गुरुवार को चौथे दिन भी जारी रही। जिले के सभी पटवारी तहसील कार्यालय परिसरों में धरने पर बैठे और शासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों के शीघ्र निराकरण की मांग की।

हड़ताल के चलते आय, जाति, मूल निवासी प्रमाण पत्र, नामांतरण, पट्टा सहित राजस्व विभाग से जुड़े अनेक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। किसानों के राजस्व संबंधी कार्य भी ठप पड़ने से आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

पटवारी संघ के जिला उपाध्यक्ष गोविंद सिंह चौहान ने बताया कि प्रदेशभर के पटवारी लंबे समय से अपनी न्यायोचित मांगों को लेकर शासन का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। चरणबद्ध आंदोलन और कई बार पत्राचार के बावजूद अब तक शासन स्तर पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है।

उन्होंने बताया कि संघ की प्रमुख मांगों में कैडर रिव्यू लागू कर समयमान वेतनमान एवं पदोन्नति का लाभ देना, नायब तहसीलदार की विभागीय परीक्षा शीघ्र आयोजित करना, जॉब प्रोटेक्शन एक्ट में पटवारियों को शामिल करना, विभिन्न विभागों के लंबित मानदेय एवं भुगतान का शीघ्र भुगतान तथा पटवारी संघ के पदाधिकारियों के स्थानांतरण संबंधी विसंगतियों का निराकरण शामिल है।

पटवारी संघ ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगों का समाधान नहीं होगा, आंदोलन जारी रहेगा। साथ ही चेतावनी दी कि यदि शासन ने जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

कोई भी अधिकारी या जनप्रतिनिधि स्थायी नहीं होता, हम जनहित के ऐसे कार्य करें कि जाने के बाद भी जनता याद रखें- विधायक विपिन जैन

मंदसौर विधानसभा के समग्र विकास के लिए विजन डॉक्यूमेंट बैठक में अधिकारियों को समयबद्ध कार्यों के दिए निर्देश

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर विधानसभा क्षेत्र के समग्र, सुनियोजित एवं दीर्घकालीन विकास की कार्ययोजना तैयार करने के उद्देश्य से गुरुवार को एसडीएम कार्यालय में विजन डॉक्यूमेंट संबंधी बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विधायक विपिन जैन ने करते हुए सभी विभागीय अधिकारियों को जनहित के कार्यों में पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में विधायक विपिन जैन ने कहा कि कोई भी अधिकारी या जनप्रतिनिधि स्थायी नहीं होता, लेकिन ऐसे जनहितकारी कार्य किए जाएं कि पद छोड़ने के बाद भी जनता उन्हें याद रखे। उन्होंने सभी विभागों से विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए ठोस एवं व्यवहारिक प्रस्ताव शीघ्र प्रस्तुत करने को कहा, ताकि मंदसौर के सर्वांगीण विकास का प्रभावी विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जा सके। बैठक में विधायक ने शिवना प्रोजेक्ट के कार्यों में हो रही देरी पर नाराजगी जताते हुए पीआईयू विभाग को निर्माण कार्यों में तेजी लाकर जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। वहीं कालाखेत स्टेडियम एवं कालाखेत क्षेत्र में निर्माणाधीन दुकानों की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए।

शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान निम्बोद एवं खजुरिया सारंग हाई स्कूलों को हायर सेकंडरी विद्यालय में उन्नयन के लिए शासन को पुनः स्मरण पत्र भेजने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़कों की मरम्मत, विद्युत विभाग में ओवरलोड ट्रांसफार्मरों की समस्या के समाधान, विधायक निधि से स्वीकृत कार्यों की प्रगति तथा जल निगम द्वारा दलौदा की सर्विस लेन की शीघ्र मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में कृषि उपज मंडी, विद्युत विभाग एवं एमपीआरडीसी के अधिकारियों की अनुपस्थिति पर विधायक विपिन जैन ने कहा कि भविष्य में सभी अधिकारी जवाबदेही के साथ बैठकों में उपस्थित रहें।

नीमच में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का शुभारंभ आज मनासा से

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिले में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने अगस्त माह में आयोजित किए जाने वाले शिविरों का रोस्टर जारी किया है। अभियान के तहत विभिन्न नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर आयोजित कर आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जाएगा। जारी रोस्टर के अनुसार आज नगर पालिका मनासा में शिविर आयोजित होगा, जिसमें नगर पालिका मनासा सहित ग्राम पंचायत नलखेड़ा, चुकनी, अरनिया माली, कंवली, आंकली, शेषपुर, बरड़िया, लोड़किया, बाकनी एवं डुगरपुरा, अवलेपुरा क्षेत्र शामिल रहेंगे।

डिवाईन पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों का शतरंज के बाद जिलास्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में हुआ चयन

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर की अग्रणीय संस्था डिवाईन पब्लिक हायर सेकेण्डरी स्कूल के विद्यार्थियों ने शतरंज के बाद क्रिकेट के क्षेत्र में भी अपना नाम गोरवान्वित किया है। जाट (रतनगढ़) में हुई क्रिकेट प्रतियोगिता में सीनियर बालक वर्ग में मुरली धाकड़, अर्जुन धाकड़ और कार्तिक नामदेव का जिलास्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में चयन हुआ हैं। सच्ची लगन, मेहनत और आत्मविश्वास से सफलता अवश्य मिलती है। विद्यालय के संचालक निर्मल मेहता, प्राचार्य सुनील नागोरी, व्यवस्थापक रामलाल धाकड़, जसराज शर्मा, गिरीराज सोनी, मुरली धाकड़, धर्मराज धाकड़ और समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यालय परिवार की ओर से विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ प्रेषित की गई हैं।

कलेक्टर ने निर्माण कार्यों की समीक्षा कर अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समीक्षा बैठक ली। बैठक में लोक निर्माण विभाग, पीआईयू, सेतु निगम, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना,ग्रामीण यांत्रिकी सेवा तथा जिला खनिज प्रतिष्ठान से स्वीकृत एवं निर्माणाधीन कार्यों की विभागवार समीक्षा की गई।

समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री चंद्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों एवं समय-सीमा के अनुरूप पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। सभी विभागीय अधिकारी नियमित रूप से निर्माण कार्यों की मॉनिटरिंग करें तथा कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करें।

बैठक में जिन निर्माण कार्यों की प्रगति अपेक्षा के अनुरूप नहीं पाई गई, उन पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण एजेंसियों अथवा ठेकेदारों द्वारा अनावश्यक विलंब या लापरवाही बरतने पर संबंधित विभाग नियमानुसार तत्काल दंडात्मक कार्रवाई करें।

ग्रामीण यांत्रिकी सेवा द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्यों में अपेक्षा से अधिक समय लगने पर भी कलेक्टर ने असंतोष व्यक्त करते हुए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। वन विभाग की अनुमति के कारण लंबित निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वन विभाग से समन्वय स्थापित कर लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कराया जाए, ताकि विकास कार्यों में अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने एमपीआरडीसी के अधिकारियों को भी सड़क निर्माण कार्यों में गति लाकर निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

अफजलपुर पुलिस की कार्रवाई, 62 किलो डोडाचूरा के साथ पति-पत्नी गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध मादक पदार्थ की तस्करी पर लगाम लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मंदसौर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना अफजलपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए 62 किलो 840 ग्राम अवैध डोडाचूरा के साथ एक पति-पत्नी को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

दिनांक 05.08.2026 को थाना अफजलपुर को सूचना मिली कि कमालपुरा फंटा, ग्राम बिलात्री के पास एक महिला हरे रंग की साड़ी में और एक पुरुष हल्के काले रंग की शर्ट में अवैध डोडाचूरा लेकर किसी बाहरी तस्कर को देने जा रहे हैं। उनके पास विमल का थैला, लाल थैला, पीली-लाल धारियों वाला झोला और काला प्लास्टिक का कट्टा है। सूचना पर टीम ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ा। पूछताछ में महिला ने अपना नाम कादु उर्फ राधाबाई पति आशाराम उम्र 48 वर्ष और पुरुष ने आशाराम उर्फ गंभीर पिता चितामणी उम्र 52 वर्ष बताया। दोनों निवासी प्रताप वार्ड, गांधी नगर, भोपाल के हैं। आरोपियों के कब्जे से 62 किलो 840 ग्राम डोडाचूरा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 1 लाख 25 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ धारा 8/15, 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर डोडाचूरा खरीद फरोख्त की पड़ताल शुरू की है। गहन पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि ये लोग महिलाओं का समूह बनाकर मादक पदार्थ लाते-ले जाते हैं। शक न हो इसलिए कई बार साथ में दूधमुंहे बच्चे भी ले जाते हैं। यह गिरोह अंतर्राज्यीय है और गुजरात व राजस्थान में डोडाचूरा की सप्लाई करता है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विनोदकुमार मीना के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेरसिंह बघेल और एसडीओपी ग्रामीण श्रीमती कीर्ति बघेल के निर्देशन में की गई। टीम में थाना प्रभारी निरीक्षक हरीश मालवीय और अफजलपुर थाना स्टाफ की भूमिका रही, लेकिन गुरुवार शाम तक थाना प्रभारी निरीक्षक हरीश मालवीय के लाइन हाजिर के आदेश कप्तान के कार्यालय से जारी हो गए।

शैक्षणिक संस्थानों के 100 मीटर दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री के विरुद्ध जिलेभर में संयुक्त अभियान

दुकानदारों को कोटपा अधिनियम के प्रावधानों से कराया गया अवगत

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार जिलेभर में शैक्षणिक संस्थानों के आसपास तंबाकू एवं धूम्रपान संबंधी उत्पादों की बिक्री पर रोक सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राजस्व, पुलिस, नगर निकाय एवं शिक्षा विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा विशेष अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान स्कूल एवं कॉलेज परिसरों के 100 मीटर के दायरे में बीड़ी, सिगरेट, गुटखा एवं अन्य तंबाकू उत्पादों का विक्रय करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए जुर्माना लगाया गया, तंबाकू उत्पाद जब्त किए गए तथा दुकानदारों को कानून के प्रावधानों से अवगत कराते हुए जागरूक भी किया गया।

जावद में संयुक्त दल द्वारा शैक्षणिक संस्थानों के 100 मीटर के दायरे में जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान तंबाकू उत्पाद, बीड़ी, सिगरेट एवं गुटखा का विक्रय करते पाए जाने पर तीन दुकानदारों के विरुद्ध जुर्माने की कार्रवाई की गई।

जीरन में संयुक्त अभियान के दौरान स्कूल परिसर से 100 मीटर की दूरी के दायरे में तंबाकू उत्पादों का विक्रय करते पाए जाने पर संबंधित दुकानदारों पर जुर्माना लगाया गया।

तहसील सिंगोली में स्कूल परिसर के निकट पान-गुटखा विक्रेताओं के विरुद्ध जुर्माना लगाया गया तथा तंबाकू सामग्री जब्त की गई। नीमच नगर में शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2 के 100 मीटर के दायरे में राजस्व विभाग, पुलिस विभाग, नगरपालिका एवं शिक्षा विभाग की संयुक्त टीम द्वारा कार्रवाई की गई। इस दौरान 12 दुकानों पर कुल 2,300 रुपये का जुर्माना लगाया गया तथा तंबाकू उत्पाद जब्त किए गए। साथ ही दुकानदारों को शैक्षणिक संस्थानों के 100 मीटर के दायरे में तंबाकू उत्पादों का विक्रय नहीं करने के लिए समझाइश दी गई।

रतनगढ़ नगर क्षेत्र में भी शासकीय विद्यालयों के आसपास तंबाकू एवं धूम्रपान संबंधी उत्पादों की बिक्री पर रोक सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संयुक्त दल द्वारा विद्यालयों के आसपास स्थित दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान दुकानदारों को सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध तथा व्यापार एवं वाणिज्य, उत्पादन, प्रदाय एवं वितरण का विनियमन) अधिनियम, 2003 के प्रावधानों की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि कोटपा अधिनियम की धारा 6(ख) के अनुसार किसी भी शैक्षणिक संस्थान की 100 मीटर की परिधि में सिगरेट, बीड़ी, गुटखा एवं अन्य तंबाकू उत्पादों का विक्रय पूर्णतः प्रतिबंधित है। साथ ही अधिनियम के तहत शैक्षणिक संस्थानों के बाहर तंबाकू बिक्री निषेध संबंधी सूचना पट्ट प्रदर्शित करना भी अनिवार्य है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि विद्यार्थियों के लिए तंबाकू मुक्त एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ऐसे संयुक्त अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

सम्पादकीय

रवींद्रनाथ टैगोरः विचारों का वह वृक्ष, जिसकी छाया आज भी शीतल है

सभ्यताएँ अपनी सबसे बड़ी पूँजी स्मारकों में नहीं, उन विचारों में बचाकर रखती हैं जो पीढ़ियों का हाथ थामे रहते हैं। 7 अगस्त 1941 को रवींद्रनाथ टैगोर का शरीर कोलकाता के जोड़ासाँको में शांत हुआ, पर उनका सृजन और चिंतन पहले से अधिक जीवित हो उठा। उनका प्रस्थान किसी अध्याय का अंत नहीं, नई दिशाओं में खुलते एक विराट संवाद की शुरुआत था। आज भी किसी वृक्ष तले बैठा बालक जब कल्पना का पहला शब्द गढ़ता है, या शहरी कोलाहल में कोई मन पक्षियों का स्वर सुन लेता है, तब टैगोर हमारे बीच उपस्थित हो उठते हैं। उनकी पुण्यतिथि स्मरण का अनुष्ठान नहीं, आत्ममंथन का क्षण है–क्या हमने अब भी अपने भीतर संवेदना, सौंदर्य और प्रकाश की वह ज्योति बचा रखी है, जिसे उन्होंने अपने जीवन और साहित्य से प्रज्वलित किया था।

विचार तभी साँस लेते हैं, जब वे परंपरा का सम्मान करते हुए उसकी सीमाओं से आगे बढ़ने का साहस रखें। जोड़ासाँको ने रवींद्रनाथ टैगोर को संस्कार, कला, संगीत और उदार विचारों का वातावरण दिया, पर किसी मान्यता को अंतिम सत्य मानना नहीं सिखाया। विद्यालय की बंधी व्यवस्था उन्हें रास नहीं आई, इसलिए उन्होंने ज्ञान को पुस्तकों से निकालकर प्रकृति में खोजा। वृक्ष, ऋतुएँ और आकाश उनके शिक्षक थे। यही सोच शांतिनिकेतन बनी, जहाँ शिक्षा का उद्देश्य सूचना जुटाना नहीं, भीतर के मनुष्य को जगाना था। वहाँ परीक्षा से ज्यादा जीवन का अनुभव महत्त्व रखता था। इसलिए शांतिनिकेतन केवल शिक्षण संस्थान नहीं, ऐसी दृष्टि बना, जिसमें ज्ञान और संवेदना एक-दूसरे के पूरक बने।

भाषा की सबसे बड़ी सफलता सीमाएँ लाँघकर मनुष्य से मनुष्य को जोड़ना है। गीतांजलि का नोबेल सम्मान रवींद्रनाथ टैगोर का निजी गौरव नहीं, एशिया की सांस्कृतिक चेतना की वैश्विक स्वीकृति था। उनकी कविता का ईश्वर मंदिरों में नहीं, मनुष्य के निर्मल अंतर्मन में बसता है। इसलिए उनकी रचनाएँ भय नहीं, आत्मविश्वास और भीतरी स्वतंत्रता जगाती हैं। गोरा, घरे-बाइरे और काबुलीवाला उपदेश नहीं देते; वे समाज के अंतर्विरोध खोलकर पाठक को स्वयं से प्रश्न करने के लिए प्रेरित करते हैं। उनके लिए साहित्य मनोरंजन नहीं, आत्मपहचान का माध्यम था, जहाँ मनुष्य स्वयं से साक्षात्कार करता है।

राष्ट का सबसे ऊँचा स्वर वह है, जिसमें विवेक, करुणा और आत्मसम्मान साथ बोलते हैं। रवींद्रनाथ टैगोर का देशप्रेम इसी आधार पर खड़ा था। जलियाँवाला बाग़ के बाद नाइटहुड लौटाना उनके लिए राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं, आत्मसम्मान का निर्णय था। उन्होंने राष्ट्रवाद को कभी आक्रोश की भाषा नहीं बनने दिया। एकला चलो रे भीड़ से अलग होने का नहीं, सत्य के लिए अकेले डटे रहने का संदेश है। उनका विश्वास था कि बाहरी स्वतंत्रता, अंतःकरण की स्वतंत्रता के बिना अधूरी है। इसलिए हिंसा उन्हें किसी आदर्श का स्थायी मार्ग नहीं लगी। आज, जब राष्ट्रप्रेम कई बार शोर और कटुता में सिमट जाता है, टैगोर याद दिलाते हैं कि प्रेम से रिक्त देशभक्ति अंततः अपना अर्थ खो देती है।

कुछ भाव शब्दों में नहीं समाते, वे स्वर बनकर ही अपना पूरा अर्थ पाते हैं। रवींद्रनाथ का संगीत उसी अनुभूति का विस्तार है। रवींद्र संगीत में प्रकृति पृष्ठभूमि नहीं, मनुष्य के भावों की सहभागी है। हवा, नदी, वर्षा, संध्या और बदलती ऋतुएँ प्रेम, विरह और आशा के साथ एकाकार हो उठती हैं। जन गण मन और आमार सोनार बांग्ला सिद्ध करते हैं कि सच्ची कला सीमाओं और राजनीति से कहीं बड़ी होती है। टैगोर के लिए संगीत साधना था, जहाँ गायक और श्रोता एक ही लय में अपना अहं विसर्जित कर देते हैं। इसलिए उनके गीत समय के साथ पुराने नहीं होते; वे मनुष्य के शाश्वत अनुभवों से जन्मे हैं।

सृजन का स्वभाव एक ही भाषा में ठहरना नहीं जानता। जीवन के उत्तरार्ध में रवींद्रनाथ टैगोर ने शब्दों से आगे बढ़कर रंग और रेखाओं में अपनी अनुभूतियाँ उकेरीं। चित्रकला उनके लिए परंपरा की पुनरावृत्ति नहीं, आत्म-अन्वेषण का नया माध्यम बनी। लोक और आदिवासी कला की प्रेरणा को उन्होंने अपनी मौलिक दृष्टि से ऐसा रूप दिया कि अमूर्त आकृतियाँ भी गहरे भाव व्यक्त करने लगीं। उनकी तूलिका मानो कविता की ही दूसरी अभिव्यक्ति थी। इससे स्पष्ट हुआ कि प्रतिभा किसी एक विधा की सीमाओं में नहीं बँधती। कवि, कथाकार, संगीतकार, चित्रकार और शिक्षाविद्–हर रूप में वही जिज्ञासु चेतना सक्रिय रही, जो जीवन के अनदेखे अर्थों की निरंतर तलाश करती रही।

हर युग अपनी सबसे बड़ी कीमत किसी न किसी रूप में चुकाता है। हमारे समय ने सुविधा पाई है, पर संवेदना का कुछ हिस्सा खो दिया है। तकनीक ने गति दी, किंतु प्रकृति और अपने भीतर के मनुष्य से दूरी भी बढ़ाई। ऐसे दौर में रवींद्रनाथ टैगोर का चिंतन नई रोशनी देता है। उनकी शिक्षा-दृष्टि बताती है कि ज्ञान का उद्देश्य केवल दक्षता नहीं, व्यक्तित्व का परिष्कार भी है। विश्वभारती इसी विचार का साकार रूप है, जहाँ शिक्षा जीवन, संस्कृति और प्रकृति से जुड़ती है। उनके लिए सौंदर्य और सत्य अलग नहीं, एक ही अनुभूति के दो आयाम थे। इसलिए उनका संदेश आज भी हमें ठहरने, स्वयं से मिलने, प्रकृति से जुड़ने और मनुष्यता को जीवन का केंद्र बनाने की प्रेरणा देता है। किसी महान जीवन का सबसे विश्वसनीय प्रमाण उसकी छोड़ी हुई विरासत नहीं, उसकी बची हुई प्रासंगिकता होती है। इसलिए 7 अगस्त केवल स्मरण का दिन नहीं, आत्मपरीक्षण का अवसर है। रवींद्रनाथ टैगोर को सचमुच याद करना है, तो उनके शब्दों का नहीं, उनके विचारों का आचरण करना होगा।

ईश्वर से एकाकारिता की आकांक्षा ही धर्म है

जीवन में सुख और संघर्ष दोनों ही स्वाभाविक हैं। कठिन परिस्थितियों में अधिकांश लोग ईश्वर का स्मरण करते हैं, किंतु वास्तविक आध्यात्मिकता तब प्रकट होती है जब व्यक्ति सुख और संतोष के क्षणों में भी परमात्मा से जुड़ा रहे। यही निरंतर जुड़ाव जीवन की स्थायी शांति और संतुष्टि का आधार बनता है।

सहज योग का संदेश है कि मनुष्य को यह समझना चाहिए कि संसार की अधिकांश उपलब्धियाँ यहीं रह जाती हैं, जबकि उसके साथ केवल उसका धर्म और आध्यात्मिक विकास ही आगे बढ़ता है। धर्म केवल पूजा-पद्धति या बाहरी अनुष्ठानों का नाम नहीं, बल्कि परमात्मा को प्राप्त करने की सच्ची और शुद्ध आकांक्षा है। जब मनुष्य के भीतर यह आकांक्षा जागृत होती है, तभी उसका जीवन पवित्रता और दिव्यता की ओर अग्रसर होने लगता है। पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए संघर्ष करना प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है। ऐसे समय में सफलता के लिए ईश्वर से प्रार्थना करना स्वाभाविक है, लेकिन जब हमारी प्रार्थना केवल सांसारिक इच्छाओं तक सीमित होती है, तब उसका उद्देश्य पूर्णतः शुद्ध नहीं होता। सहज योग व्यक्ति को अपनी सामान्य इच्छाओं को शुद्ध इच्छा में रूपांतरित करने का मार्ग प्रदान करता है। यही शुद्ध इच्छा साधक को परमात्मा के चित्त में स्थान दिलाती है और उसके जीवन में आंतरिक परिवर्तन का आरंभ करती है।

परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने कहा है–एक बार जब आप सच्चाई को धारण कर लेते हैं तो आपका अपना जीवन ही लोगों को विश्वास दिलाएगा कि आप दिव्य हैं। जो कुछ भी आप करते हैं, वह लोगों को यकीन देगा कि आप दिव्य हैं, और जो कुछ भी आप कहेंगे, लोग जान जाएंगे कि यह दिव्य शक्ति से आ रहा है।

जब व्यक्ति ईश्वर के चित्त में स्थापित होकर जीवन जीने लगता है, तब उसके लिए जिम्मेदारियाँ बोझ नहीं रह जातीं, बल्कि सहजता से निभने लगती हैं। आंतरिक शांति, संतुलन और आत्मिक आनंद उसके व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाते हैं। यही सहज योग का वास्तविक उद्देश्य है–आत्मसाक्षात्कार के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति को अपने भीतर स्थित दिव्य शक्ति का अनुभव कराना।

यात्री कतारों में खड़े रहे, सुरक्षा के रखवाले सौदों में खड़े मिले

सुरक्षा का तमाशा अजीब है–कटघरे में यात्री खड़ा होता है, चूक भीतर होती है। वह चुपचाप बैग खोलता है, जूते-बेल्ट उतारता है, पानी की बोतल छोड़ता है, लैपटॉप अलग ट्रे में रखता है। उसे भरोसा रहता है कि यह असुविधा सुरक्षा की कीमत है। लेकिन इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर हवाई अड्डे पर 'ऑपरेशन एयरोब्रिज' ने भरोसा तोड़ दिया। अबू धाबी से आया चांदी की परत चढ़ा लगभग एक किलो सोना एयरोब्रिज पर ही एयर इंडिया एक्सप्रेस कर्मचारी को सौंपा गया। वह टैरमैक से उतरकर सुरक्षा व्यवस्था को छलता रहा और जांच में कस्टम अधिकारी की मिलीभगत सामने आई। तब यह केवल तस्करी नहीं रह जाती। सवाल है–जब सुरक्षा के पहरेदार ही चाबी बेचने लगें, तो यात्रियों की कठोर तलाशी आखिर किसकी सुरक्षा कर रही है?

हवाई अड्डों की सुरक्षा वहां नहीं टूटी, जहां दीवारें खत्म होती हैं; वह वहां टूटी, जहां भरोसा शुरू होता है। हमारे यहां सुरक्षा बाहर से आने वाले खतरे पर केंद्रित है। मशीनें, स्कैनर, कैमरे और नियम–सबकी निगाह यात्री पर रहती है, मानो सबसे बड़ा संदेह उसी पर हो। लेकिन दूसरी ओर खड़े कर्मचारियों, जिन्हें प्रतिबंधित क्षेत्रों में निर्बाध प्रवेश है और जिनकी पहचान ही पास है, उनकी निष्ठा की जांच नियमित और कठोर नहीं होती। इसलिए एयरोब्रिज से टैरमैक तक का रास्ता पूरी सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न बन गया। वहां न सुरंग थी, न तकनीकी चूक; केवल वर्दी, परिचित चेहरा और भीतर की मिलीभगत थी। किसी सुरक्षा तंत्र का इससे बड़ा लूपहोल नहीं हो सकता। सुरक्षा का बोझ बेगुनाह कंधों पर रखा जाता है। खाड़ी से कमाई लेकर लौटने वाला मजदूर, विदेश पढ़ने जाने वाला छात्र और छोटे व्यापार के लिए उड़ान भरने वाला व्यापारी–सभी समान तलाशी, प्रतीक्षा और संदेह झेलते हैं। जेबें खाली करवाई जाती हैं, बच्चों तक को स्कैनर से निकाला जाता है और घंटों कतार बाद कहा जाता है कि यह उनकी सुरक्षा के लिए है। लेकिन जब सुरक्षा तंत्र में बैठे लोग दस हजार रुपये के लालच में सीमा की पवित्रता गिरवी रख दें, तब अपमान उसी ईमानदार यात्री का होता है, जिसने हर नियम निभाया। सवाल है कि क्या जांच केवल उसी के लिए है, जबकि असली खतरा उन लोगों से पैदा हो रहा है, जिन्हें जांचने की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली?

किसी व्यवस्था की हार तब होती है, जब नागरिक का भरोसा टूटने लगे। यह घटना सोने की तस्करी तक सीमित नहीं; लोकतांत्रिक विश्वास का संकट बन जाती है। नागरिक कानून से डरकर नहीं, व्यवस्था की निष्पक्षता पर भरोसे से जुड़ता है। लेकिन जब एयरलाइंस कर्मचारी और कस्टम अधिकारी मिलकर सुरक्षा की दीवार में सेंध लगा दें, तब यात्री मशीनों से नहीं, वर्दी से डरने लगता है। उसे सवाल सताता है कि जिस व्यवस्था ने उसे शक की नजर से देखा, उसने अपने लोगों पर आंखें क्यों मूंद लीं। यही क्षण है, जब सुरक्षा विश्वास का आधार नहीं, अविश्वास की वजह बनती है। हवाई अड्डे की कमजोर दीवार कंक्रीट की नहीं, मनुष्य के चरित्र की होती है।

सुरक्षा की विडंबना यही है कि मशीनें बढ़ती गईं, पर ईमानदारी की जांच पीछे छूट गई। इस प्रकरण में सवाल तस्करी की तकनीक नहीं, व्यवस्था की मानसिकता है। चांदी की परत चढ़ाकर सोना लाना केवल कानून को चकमा देना नहीं था; सुरक्षा व्यवस्था पर मौन व्यंग्य था।

उसने दिखा दिया कि आधुनिक मशीनें भी मनुष्य की बेईमानी के सामने असहाय हैं। करोड़ों के स्कैनर, सीसीटीवी, डिजिटल निगरानी और बहुस्तरीय जांच तब बेकार हो जाती है, जब भीतर बैठा व्यक्ति जिम्मेदारी बेच देता है। व्यवस्था ने तकनीक बढ़ाई, लेकिन ईमानदारी की निगरानी मजबूत नहीं की। दस हजार रुपये का लालच करोड़ों की सुरक्षा पर भारी पड़ गया। यह तकनीक नहीं, नैतिकता की हार है।

हवाई अड्डा अब केवल अमीरों की दुनिया का द्वार नहीं, आम आदमी के भरोसे का ठिकाना भी है। नौकरी, शिक्षा, व्यापार और इलाज के लिए साधारण नागरिक भी विमान यात्रा कर रहा है। उसके लिए हवाई अड्डा सिर्फ उड़ान नहीं, सुरक्षित पहुंचने का विश्वास है। जब उसी विश्वास के भीतर से तस्करी का रास्ता निकलता है, तो चोट केवल अपराध तक सीमित नहीं रहती। यात्री सुरक्षा जांच को भरोसे के बजाय औपचारिकता समझने लगता है। सार्वजनिक संस्थाओं पर घटता विश्वास हर नागरिक को प्रभावित करता है।

सुरक्षा की दीवार मशीनों से नहीं, जिम्मेदार लोगों से खड़ी होती है। समाधान केवल स्कैनर और कैमरे लगाने में नहीं है। जरूरत है कि सुरक्षा व्यवस्था का केंद्र मनुष्य बने। एयरलाइंस, कस्टम और हवाई अड्डों के कर्मचारियों की नियमित सत्यनिष्ठा जांच, संवेदनशील पदों पर समयबद्ध बदलाव, स्वतंत्र ऑडिट, आकस्मिक निगरानी और मिलीभगत पर कठोर कार्रवाई–ये सुरक्षा के जरूरी हिस्से हैं जितने तकनीकी उपकरण। जिस व्यवस्था में यात्री की हर गतिविधि दर्ज होती है, वहां सुरक्षा कर्मचारियों की जवाबदेही भी पारदर्शी होनी चाहिए। नागरिक से अनुशासन मांगने वाली व्यवस्था को पहले स्वयं अनुशासित होना होगा, वरना उसका सुरक्षा नैतिक अधिकार धीरे-धीरे खत्म हो जाएगा।

कुछ घटनाएं खबर बनकर खत्म नहीं होतीं, वे व्यवस्था की कमजोरी का आईना बनती हैं। इंदौर की घटना केवल सोने की तस्करी नहीं, देश के सबसे सुरक्षित द्वार पर हुआ मौन विश्वासघात है। इसने बता दिया कि सुरक्षा का खतरा बाहर का व्यक्ति नहीं, भीतर बैठा बेईमान व्यक्ति हो सकता है। जब तक व्यवस्था यह नहीं मानेगी कि सुरक्षा लूपहोल मशीनों में नहीं, मनुष्य के चरित्र में है, तब तक लंबी कतारें, तलाशी और कठोर जांच औपचारिकता रह जाएंगी। राष्ट की सीमाएं तकनीक से मजबूत हो सकती हैं, पर सुरक्षित तभी होती हैं, जब उन्हें संभालने वाले हाथ ईमानदार हों। अंततः हवाई अड्डे की सुरक्षा स्कैनर की स्क्रीन पर नहीं, वर्दी पहने व्यक्ति के विवेक में होती है।

–प्रो. आरके जैन

महँगाई की नई किस्त आ गई, नाम रखा गया- बस किराया

मध्य प्रदेश की सड़कों पर आज केवल बस किराया नहीं बढ़ा, बल्कि आम आदमी की जेब पर नया आर्थिक बोझ डाल दिया गया है। परिवहन विभाग के ताज़ा नोटिफिकेशन ने बस किराया सवा रुपये प्रति किलोमीटर से बढ़ाकर दो रुपये प्रति किलोमीटर कर दिया है। यह महज़ किराया वृद्धि नहीं, बल्कि ऐसा मौन कर है जिसे न किसी बजट में प्रस्तुत किया गया, न विधानसभा में उस पर गंभीर बहस हुई। बस ओनर्स एसोसिएशन की हड़ताल की चेतावनी के आगे सरकार झुक गई और उसका पूरा भार सीधे यात्रियों पर डाल दिया। डीज़ल महँगा हुआ है, संचालन लागत बढ़ी है–ये तर्क वर्षों से दिए जाते रहे हैं। पर सबसे चिंताजनक यह है कि राज्य की सड़कों पर चलने का अधिकार अब केवल उसी के लिए सहज है, जो बढ़ती महँगाई का बोझ उठा सके।

इस पूरे घटनाक्रम में सरकार और बस संचालक दो विरोधी पक्ष नहीं, बल्कि एक ही व्यवस्था के दो चेहरे हैं। संचालक कहते हैं कि पाँच वर्षों से किराया नहीं बढ़ा, डीज़ल सौ रुपये लीटर के पार पहुँच गया और खर्च बढ़ रहा है। सरकार नोटिफिकेशन जारी कर जिम्मेदारी पूरी मान लेती है। दोनों मिलकर ऐसा समीकरण गढ़ते हैं, जिसमें हर बढ़ी लागत का भुगतान केवल यात्री करता है। इस समीकरण में न संचालकों की कार्यकुशलता पर सवाल उठते हैं, न सरकारी नीतियों की कमियाँ। नतीजा यह है कि सौ किलोमीटर की यात्रा पर यात्री को लगभग पचहत्तर रुपये अतिरिक्त चुकाने होंगे। लंबी दूरी तय करने वाले परिवारों के लिए यह अतिरिक्त राशि महीने भर की सब्ज़ियों के खर्च के बराबर बैठती है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इस निर्णय में आम आदमी न सहभागी है, न हितधारक; वह केवल अंतिम भुगतानकर्ता है।

यही कहानी रसोई तक पहुँचते-पहुँचते और कड़वी हो जाती है। खाद्य पदार्थों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। शक्कर लगभग पच्चीस प्रतिशत महँगी हो चुकी है। तुअर और चना दाल के दाम बढ़े हैं। मैदा और खाद्य तेल भी चुपचाप महँगे हो गए हैं। त्योहारों से पहले रसोई का बजट बिगड़ना महज़ संयोग नहीं। परिवहन महँगा होने का सीधा असर माल ढुलाई पर पड़ता है और अंततः अनाज, दाल, सब्ज़ी तथा रोजमर्रा की हर वस्तु महँगी हो जाती है। एक ओर सरकार राशन कार्ड और सब्सिडी की बात करती है, दूसरी ओर वही नागरिक सड़क पर सफर करते समय और रसोई में भोजन बनाते समय महँगाई का अतिरिक्त कर चुकाने को मजबूर होता है। यह दोहरी मार गरीब और निम्न मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति को लगातार सिकोड़ रही है।

इस पूरे प्रकरण का सबसे चिंताजनक पक्ष निर्णय लेने की प्रक्रिया है। किराया बोर्ड की बैठक हुई, मंत्री स्तर पर चर्चा हुई, मुख्यमंत्री की सहमति का हवाला दिया गया और नोटिफिकेशन जारी हो गया। लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में जनता कहाँ थी? विपक्ष की भूमिका क्या थी? नागरिक समाज की आवाज़ क्यों नहीं सुनाई दी?

-सुनील कुमार महला

संसदीय-गतिरोध से नहीं चलेगा लोकतंत्र, संवाद ही है समाधान

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है। यही वह सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है जहां राष्ट के वर्तमान और भविष्य से जुड़े विषयों पर गंभीर विमर्श होता है, सरकार जवाबदेह बनती है, विपक्ष जनभावनाओं को स्वर देता है और कानूनों के माध्यम से देश के विकास की दिशा तय होती है। लेकिन अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज संसद संवाद और सहमति का मंच बनने के बजाय टकराव, आरोप-प्रत्यारोप, नारेबाजी और राजनीतिक हठधर्मिता का अखाड़ा बनती जा रही है। मानसून सत्र में जिस प्रकार लगातार गतिरोध बना हुआ है, उससे केवल संसदीय कार्यवाही ही बाधित नहीं हो रही, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा भी आहत हो रही है। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बीच गतिरोध समाप्त करने के लिए हुई बातचीत भी किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकी। यह स्थिति बताती है कि दोनों पक्ष अपने-अपने राजनीतिक आग्रहों में इतने उलझ गए हैं कि राष्ट्रहित पीछे छूट गया है। विपक्ष की ओर से यह शर्त रखी जा रही है कि जब तक कुछ विशेष मुद्दों पर सरकार सदन में बयान और चर्चा के लिए तैयार नहीं होती, तब तक संसद की कार्यवाही नहीं चलने दी जाएगी। दूसरी ओर सरकार भी अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने पर अडिग है। परिणाम यह है कि संसद का बहुमूल्य समय निरर्थक विवादों की भेंट चढ़ रहा है।

लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति को अराजकता में बदल देना लोकतांत्रिक संस्कृति नहीं है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव देना भी है। सरकार को कठघरे में खड़ा करना विपक्ष का अधिकार है, परंतु संसद को ठप कर देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। लोकतंत्र में विरोध की भी मर्यादा होती है। जब विरोध संसद को चलने ही न दे, तब वह लोकतांत्रिक अधिकार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक दायित्वों की उपेक्षा बन जाता है। पिछले कुछ वर्षों से यह चिंताजनक प्रवृत्ति लगातार बढ़ी है कि संसद सत्र प्रारंभ होने से पहले ऐसे मुद्दे राजनीतिक रूप से उछाले जाते हैं, जिनके आधार पर पूरे सत्र को बाधित किया जा सके। परिणामस्वरूप अनेक महत्वपूर्ण विधेयक बिना पर्याप्त चर्चा के पारित हो जाते हैं अथवा कई विधेयक लंबित रह जाते हैं। इससे सबसे अधिक नुकसान देश को होता है। संसद का प्रत्येक मिनट करोड़ों रुपये की सार्वजनिक धनराशि से संचालित होता है। यदि वह समय केवल शोर-शराबे और नारेबाजी में बीत जाए तो यह करदाताओं के धन और लोकतांत्रिक विश्वास-दोनों का अपमान है।

लोकतंत्र में संवाद ही समाधान का सबसे प्रभावी माध्यम है। महात्मा गांधी से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी तक भारतीय राजनीति की श्रेष्ठ परंपरा संवाद, सहमति और संवेदनशीलता की रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पक्ष और विपक्ष दोनों अपने-अपने दुराग्रह छोड़कर संवाद की मेज पर बैठें। संसद की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन किसे अधिक कठघरे में खड़ा करता है, बल्कि इस बात में है कि राष्ट्रहित के प्रश्नों पर कितनी गंभीरता से विचार किया जाता है। विशेष रूप से कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल आंदोलन और विरोध का नाम नहीं है। विपक्ष की भूमिका सरकार को गिराने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र को संभालने की होती है। यदि प्रत्येक मुद्दे पर संसद को बाधित करने की रणनीति अपनाई जाएगी तो जनता के बीच यह संदेश जाएगा कि विपक्ष के पास वैकल्पिक नीति और दृष्टि का अभाव है। लोकतंत्र में जनता केवल विरोध नहीं, समाधान भी चाहती है। यदि विपक्ष स्वयं संवाद से दूरी बनाएगा तो 'संवाद से समाधान' का आदर्श केवल नारा बनकर रह जाएगा।

सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतंत्र में बहुमत का अर्थ मनमानी नहीं होता। सरकार को भी विपक्ष की उचित मांगों को सुनना चाहिए और जहां संभव हो, सहमति का मार्ग निकालना चाहिए। संसद किसी एक दल की नहीं, पूरे राष्ट की संस्था है। इसलिए सरकार को भी संवेदनशीलता, धैर्य और व्यापक दृष्टिकोण का परिचय देना होगा। किंतु यदि संवाद का प्रत्येक प्रयास केवल राजनीतिक शर्तों और हठधर्मिता में उलझ जाए तो समाधान की संभावनाएं स्वतः समाप्त हो जाती हैं। आज सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीतिक परिपक्वता की है। दुर्भाग्य से भारतीय राजनीति में आग्रह, पूर्वाग्रह और दुराग्रह का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। हर मुद्दे को चुनावी लाभ-हानि के चश्मे से देखा जा रहा है। संसद में बहस कम और राजनीतिक संदेश अधिक दिए जा रहे हैं। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र को कमजोर करती है। संसद का उद्देश्य जनकल्याणकारी नीतियों पर विचार करना है, न कि चुनावी रणनीतियों का मंच बन जाना।

देश आज आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति, रोजगार, शिक्षा, कृषि, राष्ट्रीय सुरक्षा, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक समरसता जैसी अनेक चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय संसद का प्रत्येक दिन अत्यंत मूल्यवान है। यदि यह समय केवल राजनीतिक टकराव में व्यतीत होगा तो विकास की गति अवश्य प्रभावित होगी। कानूनों में विलंब, नीतिगत निर्णयों की देरी और संसदीय अस्थिरता का सीधा प्रभाव आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। भारतीय लोकतंत्र की मजबूती इस बात में नहीं कि संसद में कितना शोर हुआ, बल्कि इस बात में है कि वहां कितने सार्थक विचार सामने आए। स्वस्थ लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष प्रतिद्वंद्वी अवश्य होते हैं, किंतु शत्रु नहीं। दोनों का अंतिम लक्ष्य राष्ट्रहित होना चाहिए। यदि राजनीतिक दल इस मूल भावना को भूल जाएंगे तो लोकतंत्र केवल संख्या का खेल बनकर रह जाएगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी राजनीतिक दल आत्ममंथन करें। विपक्ष अपने विरोध को रचनात्मक बनाए, सरकार अपने संवाद को व्यापक बनाए और दोनों मिलकर संसद की प्रतिष्ठा पुनः स्थापित करें। लोकतंत्र का भविष्य टकराव में नहीं, संवाद में सुरक्षित है। संसद की गरिमा नारेबाजी से नहीं, विचार-विमर्श से बढ़ती है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में यदि संसद ही गतिरोध का प्रतीक बन जाएगी तो जनता का विश्वास कमजोर होगा, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं है। समय की पुकार है कि राजनीति चुनावों की सीमाओं से ऊपर उठकर राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़े। पक्ष और विपक्ष दोनों यह स्मरण रखें कि वे किसी दल के नहीं, पहले भारत के प्रतिनिधि हैं। संसद की प्रत्येक घड़ी राष्ट की अमूल्य धरोहर है। उसे हठ, अहंकार और राजनीतिक स्वार्थ की भेंट चढ़ाना भविष्य की पीढ़ियों के साथ अन्याय होगा। यदि लोकतंत्र को सशक्त बनाना है, संसद की प्रतिष्ठा पुनर्स्थापित करनी है और भारत को विकसित राष्ट बनाना है, तो केवल एक ही मार्ग है-संवाद, सहमति और राष्ट्रहित। यही भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है और यही संसदीय मर्यादा का सर्वोच्च आदर्श।

-ललित गर्ग

अराजकता का पर्याय न बने असहमति

बीते दिनों दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना-प्रदर्शन करने और 20 जुलाई को संसद का घेराव करने वाली काकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी ने अपने आंदोलन पर फिलहाल भले ही विराम लगा दिया हो, लेकिन उसने ऐसी किसी मुहिम को फिर से शुरू करने की धमकी भी दी है। सीजेपी को विपक्ष के कई दल दबे या खुले रूप से समर्थन दे रहे हैं। सीजेपी का यह धरना-प्रदर्शन शिक्षा मंत्री रहे धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के साथ शुरू हुआ था। बाद में उनकी मांगों की सूची लंबी होती गई और सरकार पर दबाव भी बढ़ा। स्वाभाविक है कि अपनी मुहिम में शुरुआती सफलता से उनके हौसले इतने बुलंद हुए कि वे इस माहौल को बनाए रखना चाहते हैं।

इस संगठन को उन राजनीतिक दलों की पूरी शह मिली, जो प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा को परास्त करने में पूरी तरह नाकाम साबित हुए हैं। इसमें सबसे अग्रणी भूमिका उन वामपंथी दलों की रही, जो भले ही अपना अस्तित्व बचाने के संकट से जूझ रहे हैं, लेकिन धरना-प्रदर्शन को ऊर्जा देने का ईंधन अभी भी इनमें कुछ बचा हुआ है। चूंकि ये दल लोकतांत्रिक रूप से मोदी और भाजपा को हराने में नाकाम साबित हो रहे हैं, इसलिए अलोकतांत्रिक विकल्पों का सहारा लेने पर आमादा हैं। यह इनकी बेचैनी और कुंठा को ही जाहिर करता है। वामपंथी दलों को इसमें आम आदमी पार्टी यानी आप से लेकर सपा जैसे दलों का भी सहयोग मिला।

प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस भी इसमें कहां पीछे रहने वाली थी। लोकसभा में नेता-प्रतिपक्ष इसी आंदोलन के दौरान प्रधानमंत्री आवास के बाहर धरने पर बैठ गए। उनका यह रवैया बहुत हैरान करने वाला था। अपनी दादी और पिता के समय स्वयं प्रधानमंत्री आवास में निवास का अनुभव रखने वाले राहुल इससे जुड़ी सुरक्षा संबंधी चुनौतियों को भलीभांति समझते होंगे। इसके बावजूद राहुल ने अराजकता की राह अख्तियार करने से परहेज नहीं किया। यह उनकी और कांग्रेस पार्टी की कमजोर मनोदशा को ही जाहिर करता है। यह कांग्रेसी नेताओं की मानसिकता में घर कर चुकी अराजकता ही रही, जिसने सीजेपी को संसद पर धावा बोलने के लिए उकसाने का काम किया।

पूरे विरोध-प्रदर्शन के दौरान डा. भीमराव आंबेडकर के प्रतीकों की तो खूब चर्चा हुई, लेकिन प्रतीत होता है कि आंदोलनकारी उनके आदर्शों को ही नहीं समझते। डा. आंबेडकर की दृष्टि में लोकतांत्रिक समाज में अराजक तौर-तरीकों की कोई जगह नहीं थी और इस संदर्भ में कम्युनिस्टों की मानसिकता को उन्होंने बहुत पहले ही भांप लिया था। करीब 77 साल पहले ही उन्होंने कहा था, कम्युनिस्ट पार्टी और सोशलिस्ट पार्टी जैसे धड़ों की ओर से ही संविधान की आलोचना और विरोध हुआ है। वे संविधान की निंदा क्यों कर रहे हैं? क्या इसलिए कि यह वाकई एक बुरा संविधान है? मेरा स्पष्ट मानना है-नहीं।

असल में, कम्युनिस्टों को ऐसा संविधान चाहिए जो सर्वहारा की तानाशाही के सिद्धांत पर चले और चूंकि यह संविधान संसदीय लोकतंत्र पर टिका है, इसलिए वे इसकी आलोचना कर रहे हैं। दूसरी ओर, सोशलिस्टों की दो मांगें है। पहली, सत्ता में आने पर उन्हें सभी निजी संपत्तियों के राष्ट्रीयकरण का अधिकार मिले और इसके एवज में कोई क्षतिपूर्ति या मुआवजा भी उन्हें न देना पड़े। दूसरा, संविधान में दर्ज मौलिक अधिकार पूरी तरह निरपेक्ष हों, ताकि सत्ता से बाहर रहने पर उन्हें केवल सरकार की आलोचना का ही नहीं, बल्कि राज्य को उखाड़ फेंकने का भी अनियंत्रित अधिकार प्राप्त हो। आंबेडकर का यही आकलन था कि इन दोनों दलों से जुड़े लोग संसदीय लोकतंत्र के विरोधी थे और राज्य-व्यवस्था को उखाड़ फेंकने के लिए हर वक्त तत्पर रहते थे।

संविधान सभा के अपने समापन भाषण में डा. आंबेडकर ने कहा, यदि हम लोकतंत्र को न केवल औपचारिक रूप में, बल्कि वास्तविक स्वरूप में बनाए रखना चाहते हैं तो हमें क्या करना चाहिए? मेरी समझ से सबसे पहली बात जो हमें करनी चाहिए वह यह है कि अपने सामाजिक एवं आर्थिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए संवैधानिक प्रक्रियाओं से ही जुड़े रहें। इसका अर्थ है कि हमें क्रांति के हिंसक रास्तों का त्याग करना होगा। इसका अर्थ है कि हमें सविनय अवज्ञा, असहयोग और सत्याग्रह को छोड़ना होगा। जब सामाजिक और आर्थिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए संवैधानिक विकल्प उपलब्ध नहीं थे, तब असंवैधानिक तरीकों का औचित्य काफी हद तक उचित था, लेकिन जहां संवैधानिक विकल्प उपलब्ध हों, वहां इन असंवैधानिक तौर-तरीकों का कोई औचित्य नहीं हो सकता। ये तरीके कुछ और नहीं बल्कि अराजकता का ही तानाबाना हैं और हम जितनी जल्दी इन्हें छोड़ दें, तो हमारे लिए उतना ही बेहतर होगा। संसद का घेराव करने के प्रयास में सीजेपी की शारीरिक एवं भाषाई अराजकता को देखते हुए डा. आंबेडकर का यह संबोधन बहुत सटीक, दूरदर्शी एवं भविष्यसूचक साबित हुआ। इस धरना-प्रदर्शन में तमाम युवतियों ने भी हिस्सा लिया, जिनमें से कुछ ने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति इतने भद्दे एवं अशिष्ट शब्दों का प्रयोग किया, जिनका सार्वजनिक रूप से उल्लेख भी नहीं किया जा सकता। इसके बावजूद प्रधानमंत्री ने न केवल उन सभी को क्षमा कर दिया, बल्कि पुलिस को भी कहा कि उनके खिलाफ कोई मामला दर्ज न करें। सीजेपी के कई सदस्यों और समर्थकों ने नेपाल और बांग्लादेश की तर्ज पर हिंसक और अराजक तरीके से तख्तापलट करने की अपनी मंशा खुलकर जताई।

यदि वे इस राह पर बढ़ते हैं और लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को बेदखल करने की कोशिश करते हैं तो देश में लोकतंत्र के पटरी से उतरने का जोखिम बढ़ता जाएगा। वे जिस संविधान की दुहाई देते रहते हैं, इससे उसी पर आघात होगा। उसके बाद अनिश्चितता का ऐसा दौर शुरू होगा, जिसकी कल्पना न तो खुद सीजेपी ने की होगी और न ही मोदी के अन्य विरोधियों ने। वर्तमान में यही आशा की जा सकती है कि सभी को सद्बुद्धि मिले और वे लोकतांत्रिक सीमाओं के दायरे में रहकर ही अपना विरोध करें। अन्यथा इसके परिणाम बहुत भयानक होंगे।

–धनंजय राजौरा

फौजी के खाते में मिले 2.50 करोड़ से अधिक के संदिग्ध लेनदेन

मामला- 21 करोड़ की साइबर ठगी के मामले में जिला पंचायत सदस्य जगदीश मालवीय की गिरफ्तारी का

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर के सीए के साथ हुई 21 करोड़ से अधिक की ठगी के तार शाजापुर से जुड़े हैं। मामले में ग्वालियर पुलिस ने जिला पंचायत सदस्य और भाजपा नेता जगदीश मालवीय उर्फ फौजी को ग्वालियर पुलिस अपने साथ ले गई है। जिसके खाते में 2.50 करोड़ रू. के संदिग्ध लेनदेन भी मिले हैं।

गौरतलब है ग्वालियर की साइबर पुलिस ने मंगलवार देर रात शाजापुर से जिला पंचायत सदस्य जगदीश मालवीय को अपने साथ ले गई है। जांच में सामने आया कि ग्वालियर के 70 वर्षीय चार्टर्ड अकाउंटेंट अशोक विजयवर्गीय से क्रिप्टो निवेश के नाम पर हुई 21.05 करोड़ रुपए की साइबर ठगी की रकम में से 50 लाख रुपए आरोपी के बैंक खाते में पहुंचे थे। इसके बाद साइबर पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया है और पूछताछ जारी है। साथ ही मामले की जांच में पुलिस को आरोपी के बैंक खाते में 2.50 करोड़ रुपए से अधिक के संदिग्ध लेन-देन भी मिले हैं। पुलिस को आशंका है कि उसका बैंक खाता अन्य साइबर ठगी की रकम के ट्रांजेक्शन में भी इस्तेमाल हुआ है। पूछताछ के दौरान मिले इनपुट के आधार पर साइबर पुलिस की टीमें अन्य राज्यों में भी कार्रवाई कर रही हैं। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है और पुलिस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाल रही है।

सेना में थे सूबेदार, सेवानिवृत्ति के बाद उतरे राजनीति में- प्रदेश की सबसे बड़ी साइबर ठगी के मामले में गिरफ्तार जगदीश कुमार मालवीय उर्फ जगदीश फौजी भारतीय सेना में सूबेदार के पद पर पदस्थ था जो सेवानिवृत होने के बाद राजनीति में उतरा। वह भाजपा से जुड़ा और स्थानीय राजनीति करने लगा। इसके बाद वह पंचायत चुनाव में उतरा और शाजापुर जिला पंचायत वार्ड क्रमांक तह से चुनाव जीतकर निर्माण समिति के सभापति है।

फर्जी काल सेंटर पर भी नहीं हुई कठोर कार्रवाई- जिले में साइबर ठगी का नेटवर्क लगातार फैलता नजर आ रहा है। करीब आठ माह पहले दिसंबर में राज्य साइबर सेल उज्जैन जोन की टीम ने लालघाटी थाना क्षेत्र में फर्जी काल सेंटर पर कार्रवाई कर एफआईआर दर्ज की थी। इस कार्रवाई के बाद स्थानीय पुलिस की भूमिका पर सवाल भी उठे, लेकिन किसी अधिकारी या कर्मचारी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। हैरानी की बात यह है कि इसके बाद भी क्षेत्र में ऐसे काल सेंटर संचालित होने की शिकायतें सामने आती रहीं। करीब एक सप्ताह बाद लालघाटी थाना क्षेत्र में फिर एक संदिग्ध काल सेंटर मिलने पर स्थानीय पुलिस ने दबिश देकर सात युवतियों को पकड़ा था। हालांकि, इस मामले में अब तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई। पूछताछ के दौरान युवतियों ने कथित संचालक का नाम भी बताया था। लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों ने जिले में साइबर अपराध के बढ़ते नेटवर्क और उसकी प्रभावी रोकथाम को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अवैध मादक पदार्थ रखने वाले आरोपी को न्यायालय ने किया दंडित

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शुजालपुर सिटी थाना क्षेत्र में गांजे की खेती और चरस बनाने के मामले में एक आरोपी को विशेष एनडीपीएस न्यायालय ने दोषी ठहराया है। अदालत ने आरोपी को 15 वर्ष के कठोर कारावास और 1 लाख 50 हजार रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह फैसला विशेष सत्र न्यायाधीश (एनडीपीएस) शाजापुर ने गुरुवार को सुनाया। लोक अभियोजक महेन्द्रसिंह परमार ने बताया कि 10 मार्च 2023 को शुजालपुर सिटी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी। सूचना के अनुसार, ग्राम टिटवास निवासी अर्जुन मीणा ने अपने खेत में फसलों के साथ अवैध रूप से गांजे के पौधे लगाए थे और घर में चरस छिपाकर रखी थी। इस सूचना पर तत्कालीन उनि विजय खत्री ने पुलिस बल और पंच साक्षियों के साथ मौके पर दबिश दी। तलाशी के दौरान आरोपी के खेत से 20 गांजे के पौधे बरामद हुए। इसके बाद खेत पर बने मकान की तलाशी ली गई, जहां कमरे में पलंग के नीचे प्लास्टिक की थैली में छिपाकर रखे चरस के लड्डू मिले। जब्त किए गए मादक पदार्थ का कुल वजन 7 किलो 400 ग्राम था। पुलिस ने गांजे के पौधों और चरस को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना की। इसके बाद चालान न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष ने साक्ष्य और गवाहों के माध्यम से आरोपों को सिद्ध किया और आरोपी अर्जुन मीणा को 15 वर्ष के कठोर कारावास और 1 लाख 50 हजार रुपए के अर्थदंड के साथ दंडित किया। संबंधित प्रावधानों के तहत, उसे एक वर्ष के अतिरिक्त कारावास और 10 हजार रुपए के अर्थदंड से भी दंडित किया गया।

सरपंच पर आशा कार्यकर्ता ने लगाया दुष्कर्म का आरोप

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। बेरछा थाना क्षेत्र में आशा कार्यकर्ता ने गांव के सरपंच पर दुष्कर्म, जान से मारने की धमकी और जबरन शादी का दबाव बनाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने महिला की शिकायत पर बुधवार देर रात मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार महिला ने थाने में बताया कि करीब एक साल पहले गांव के शादी समारोह में उनकी पहचान पिन्डोनिया निवासी सरपंच धर्मेंद्र से हुई थी। आरोप है कि इसके बाद आरोपी ने मोबाइल नंबर लेकर संपर्क किया। विरोध करने पर पति व बच्चे की हत्या कराने और नौकरी से हटवाने की धमकी देने लगा। आरोप है कि 19 फरवरी 2025 को आरोपी ने गांव के बाहर चैराहे से धमकाकर वाहन में बैठाया। शाजापुर के ज्योतिनगर स्थित एक कमरे में ले जाकर दुष्कर्म किया। शिकायत के अनुसार इसके बाद बदनामी और जान से मारने की धमकी देकर करीब एक वर्ष तक अलग-अलग अवसरों पर दुष्कर्म किया। इसके बाद पीड़िता ने परिवार को पूरी घटना बताकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भाटपचलाना के सोमेश्वर महादेव से निकली कांवड़ियों की विशाल बोल बम यात्रा, पूर्व विधायक मुरली मोरवाल ने मंडी गेट पर किया भव्य स्वागत

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रावण मास में शिव भक्ति का उल्लास चरम पर है। इसी कड़ी में ग्राम भाटपचलाना स्थित श्री सोमेश्वर महादेव मंदिर से राजाधिराज भगवान महाकाल (उज्जैन) के दरबार तक एक विशाल बोल बम कावड़ यात्रा निकाली गई। इस पावन यात्रा में लगभग 700 महिला एवं पुरुष कांवड़िये शिव भक्ति में लीन होकर शामिल हुए।

यात्रा के बड़नगर कृषि उपज मंडी गेट पर पहुंचने पर, क्षेत्र के पूर्व विधायक श्री मुरली मोरवाल ने शिवभक्तों का आत्मीय और भव्य स्वागत किया। पूर्व विधायक मोरवाल ने सर्वप्रथम विधि-विधान के साथ धर्म ध्वजा का पूजन किया। इसके पश्चात उन्होंने पूरी आत्मीयता के साथ कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा सभी यात्रियों को फलाहार (फल) का वितरण किया। इस दौरान बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारों से पूरा क्षेत्र शिवमय हो गया।

कांवड़ यात्रा के स्वागत सत्कार के इस पुनीत अवसर पर पूर्व विधायक के साथ पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गजेंद्र यादव, शहर कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष वनिशराज कटारिया, पार्षद प्रतिनिधि अमित जाट, इन्दर मोरवाल, रामस्वरूप मोरवाल और शिवम मोरवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक और कार्यकर्ता मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

युवती को अश्लील इशारे किए, जन्मदिन पर डाली फोटो

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। एक युवक ने युवती के जन्मदिन पर सोशल मीडिया पर उसकी पुरानी फोटो वायरल कर दी। इसके पहले युवक ने युवती को अश्लील इशारे भी किए। अपने परिजनों के साथ युवती ने थाने पहुंचकर युवक के खिलाफ शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पीड़िता अपने माता-पिता के साथ सुनेरा थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। युवती ने बताया कि गांव का अभिषेक उर्फ काला उसे पहले से जानता है। आरोप लगाया कि आरोपी पहले भी उसके घर में घुसकर उसे परेशान कर चुका है, जिसकी शिकायत सुनेरा थाने में की गई थी। हालांकि, मामले में आरोपी बाद में न्यायालय से दोषमुक्त हो गया था। लेकिन 5 अगस्त को युवती के जन्मदिन के दिन अभिषेक उसके घर के बाहर चक्कर लगा रहा था। जब युवती घर से बाहर निकली तो आरोपी ने उसे देखकर अश्लील इशारे किए। इसके बाद युवती वापस घर के अंदर चली गई। उसी शाम युवती के भतीजे ने इंस्टाग्राम पर आरोपी की आईडी पर युवती और आरोपी की एक पुरानी फोटो पोस्ट देखी। इसके बाद युवती ने अपने पिता के घर लौटने पर घटना बताई। माता-पिता के साथ थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी अभिषेक उर्फ काला के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस अब सोशल मीडिया पोस्ट और अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है।

75 हजार रुपये से अधिक की अवैध मदिरा और महुआ लाहन जब्त

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार आबकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध मदिरा के विनिर्माण, संग्रहण, परिवहन, विक्रय के विरुद्ध निरंतर कार्यवाही की जा रही है। जिला आबकारी अधिकारी श्री दीपसिंह राठौर ने बताया कि आबकारी विभाग के दल द्वारा भैरूंदा के ग्राम बसंतपुर, मंजाखेडी एवं बागलीखेडा में दबिश दी गई और 25 लीटर हाथ भट्टी अवैध मदिरा एवं 750 महुआ लाहन जब्त कर 04 प्रकरण दर्ज किए गए। जब्त मदिरा एवं महुआ लाहन का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 75,500 रूपये है। यह कार्यवाही आबकारी उपनिरीक्षक श्री माधव कुण्डल, आबकारी आरक्षक श्री आकाश कोरी एवं नगर सैनिकों द्वारा की गई।

अगस्त-सितंबर 2026 का एकमुश्त राशन 31 अगस्त तक प्राप्त करें

आगर मालवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत पात्र परिवारों को उचित मूल्य दुकानों से माह अगस्त एवं सितंबर 2026 की एकमुश्त राशन सामग्री का वितरण 31 अगस्त 2026 तक किया जा रहा है। जिले के अंत्योदय अन्न योजना श्रेणी के पात्र हितग्राहियों को 35 किलोग्राम प्रति परिवार राशन (गेहूं-30 किग्रा, चावल-05 किग्रा) एवं प्राथमिकता परिवार श्रेणी के हितग्राहियों को 5 किलोग्राम प्रति सदस्य राशन (गेहूं-04 किग्रा, चावल-01 किग्रा) दिया जाता है। साथ ही दोनों श्रेणी के हितग्राहियों को एक किलोग्राम नमक प्रति परिवार का वितरण किया जाएगा। जिले के चयनित पात्र परिवार शासकीय उचित मूल्य दुकानों पर उपस्थित होकर पीओएस मशीन पर बायोमेट्रिक सत्यापन (अर्थात दो माह का राशन प्राप्त करने के लिए दो बार अंगूठा लगाकर) कराकर माह अगस्त एवं सितंबर 2026 की एकमुश्त राशन सामग्री 31 अगस्त 2026 तक प्राप्त कर सकते है।

विश्व स्तनपान सप्ताह पर जिला चिकित्सालय में जागरूकता एवं परामर्श सत्र का आयोजन हुआ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर जिला चिकित्सालय में जागरूकता एवं परामर्श सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिशुओं के समुचित पोषण, सुरक्षित देखभाल तथा जन्म के तुरंत बाद स्तनपान प्रारंभ करने और जीवन के पहले छह माह तक केवल माँ का दूध (देने के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजिनी जेम्स बेक ने कहा कि स्वस्थ समाज की नींव स्वस्थ शिशु से शुरू होती है। उन्होंने सभी नवप्रसूताओं एवं उनके परिजनों से आग्रह किया कि प्रत्येक नवजात को जन्म के पहले घंटे के भीतर स्तनपान अवश्य कराएं, जिससे उसे जीवन की स्वस्थ एवं सुरक्षित शुरुआत मिल सके। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुनील तिवारी ने माताओं एवं उनके परिजनों को स्तनपान के वैज्ञानिक महत्व, इससे जुड़े सामान्य मिथकों तथा नवजात शिशु की उचित देखभाल के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि माँ का दूध नवजात के लिए संपूर्ण, सुरक्षित एवं प्राकृतिक आहार है, जो आवश्यक पोषण देने के साथ अनेक गंभीर संक्रमणों एवं बीमारियों से भी सुरक्षा प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि माँ का पहला गाढ़ा पीला दूध (कोलेस्ट्रम) नवजात का पहला प्राकृतिक टीका है, जो उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

वाहनों की नियमित जांच के निर्देश, नियमों के उल्लंघन पर होगी ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में कले?टर श्री ऋतुराज सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद ने यातायात ?यवस्था, महिला अपराध रोकथाम, एसटी/एससी अपराध, नशा मुक्ति, चिन्हित अपराध, गबन धोखाधड़ी और अवैध खनन संबंधी विषयों की विस्?तृत समीक्षा की। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्री शोभाराम सोलंकी, अपर कलेक्टर श्री संजीव जैन सहित जिला अधिकारीगण, पुलिस अधिकारी एवं शांति समिति के सदस्य उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग स्कूल बसों एवं यात्री बसों एवं अन्य वाहनों के फिटनेस, प्रदूषण प्रमाण-पत्र (पीयूसी), बीमा तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण करे तथा क्षमता से अधिक यात्री बैठाने वाले वाहन संचालकों पर नियमानुसार कार्रवाई करें। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि गंभीर यातायात नियम उल्लंघन के मामलों में ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई भी सुनिश्चित करें। उन्होंने जिले के सभी प्रमुख मार्गों पर चिन्हित ब्लैक स्पॉट का शॉर्ट टर्म एवं लॉन्ग टर्म प्लान बनाकर कार्य शीघ्र कराने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने देवास-भोपाल मार्ग पर सभी अवैध कट पॉइंट बंद करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बंद किए गए कट पॉइंट यदि दोबारा खोले जाते हैं तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही टीआई भौंरासा एवं टीआई सोनकच्छ को भी अवैध कट पॉइंट खोलने वालों पर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के मुख्य मार्गों पर घूम रहे निराश्रित पशुओं को गौशालाओं में शिफ्ट करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि सड़क दुर्घटनाओं की संभावना कम हो सके। राहवीर योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में चयनित 5 राहवीरों में से 4 को प्रोत्साहन राशि स्वीकृत हो चुकी है।कलेक्टर श्री सिंह ने योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने एवं पात्र व्यक्तियों को समय पर लाभ दिलाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने आरटीओ एवं यातायात पुलिस को निर्देशित किया कि सभी बसें केवल निर्धारित बस स्टॉप पर ही रुकें। मार्ग में कहीं भी बस रोककर सवारी बैठाने वाले बस संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। इसके लिए सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से नियमित मॉनिटरिंग करने तथा यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि कोई भी बस निर्धारित स्टॉप की बजाय अन्य स्थानों पर यात्रियों को न बैठाए।

बैठक में स्मार्ट बस डॉक्यूमेंट मैनेजमेंट एप्लिकेशन के संबंध में प्रस्तुतिकरण भी दिया गया। एप्लिकेशन के माध्यम से ड्रंक एवं ड्राइव जांच एवं बस की मॉनिटरिंग की जा सकेगी। कलेक्टर श्री सिंह ने इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में जिले की कुछ बसों में लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने बस स्टॉप को भी इस प्रणाली में शामिल करने के निर्देश दिए, ताकि यह निगरानी की जा सके कि बसें निर्धारित स्टॉप पर रुक रही हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि पायलट प्रोजेक्ट सफल होने पर इस व्यवस्था को पूरे जिले में लागू किया जाएगा।

कलेक्टर श्री सिंह ने बरसात में गोवंश प्रबंधन की समीक्षा कर निर्देश दिए कि इस बात का विशेष ध्यान रखें की गोवंश मुख्य मार्गों पर नहीं बैठे। गोवंश मार्ग पर बैठते पाये जाये तो संबंधितों पर चालानी कार्यवाही करें। गोवंश को मार्गों से हटाकर गौशालाओं में शिफ्ट करने का कार्य करें। देवास-भोपाल, देवास-इंदौर और देवास-उज्जैन मार्ग पर एमपीआरडीसी और एनएच की गाडियां लगातार पेट्रोलिंग करती रहें। बैठक में पिछली बैठक के कार्यवाही विवरण की भी समीक्षा की गई तथा लंबित बिंदुओं पर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

बड़ावदा पुलिस ने 36 घंटे में किया अंधे कत्ल का खुलासा - हत्या का आरोपी गिरफ्तार, वारदात में प्रयुक्त चाकू बरामद

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतलाम पुलिस ने हत्या के एक गंभीर प्रकरण का त्वरित खुलासा करते हुए घटना के लगभग 36 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त धारदार चाकू भी बरामद किया है।

घटना का विवरणः दिनांक 04.08.2026 को चौकी हाटपिपलिया, थाना बड़ावदा पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम सिंदुरकिया स्थित मिडिल स्कूल के पास बापूसिंह की पड़त भूमि पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। जांच के दौरान मृतक की पहचान शहनवाज उर्फ साहिल पिता शहजाद शाह, निवासी सिंदुरकिया के रूप में हुई। घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करने पर प्रथम दृष्टया धारदार हथियार से हत्या किया जाना प्रतीत हुआ। आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जावरा भेजा गया तथा हत्या का प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई।

पुलिस कार्यवाही का विवरण - पुलिस अधीक्षक रतलाम श्री अमित कुमार (भा.पु.से.) के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विवेक कुमार लाल के मार्गदर्शन में प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए एसडीओपी जावरा श्री संदीप मालवीय एवं एसडीओपी आलोट श्रीमती पल्लवी गौर के नेतृत्व में अलग-अलग विशेष टीमों का गठन किया गया। जांच के दौरान– पुलिस टीमों द्वारा घटनास्थल एवं आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज एकत्रित कर उनका गहन विश्लेषण किया गया। साइबर तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर प्राप्त डिजिटल तथ्यों का परीक्षण किया गया। अलग-अलग टीमों द्वारा क्षेत्र में सघन सर्च अभियान चलाकर स्थानीय नागरिकों, संभावित गवाहों एवं संदिग्ध व्यक्तियों से लगातार पूछताछ की गई। साथ ही मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर महत्वपूर्ण सूचनाएं एकत्रित की गईं।

भौतिक एवं तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, साइबर इनपुट तथा मुखबिर से प्राप्त सूचनाओं के समन्वित विश्लेषण के आधार पर संदिग्ध की पहचान की गई। पुलिस टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी की घेराबंदी कर घटना के लगभग 36 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने हत्या करना स्वीकार किया, जिसके बाद उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू बरामद किया गया।

हत्या का कारणः पुलिस जांच में सामने आया कि लगभग छह माह पूर्व मृतक द्वारा आरोपी की कथित भाभी के साथ छेड़छाड़ की घटना हुई थी, जिसके संबंध में पूर्व से अपराध दर्ज होकर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। मृतक उक्त घटना का गांव में बार-बार उल्लेख करता था, जिससे आरोपी नाराज था। घटना वाले दिन भी इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ और आक्रोशित होकर आरोपी ने मृतक पर चाकू से कई वार कर उसकी हत्या कर दी।

गिरफ्तार आरोपी- ईश्वर उर्फ छोटू पिता रामचन्द्र आंद्रा, उम्र 19 वर्ष, निवासी ग्राम सिंदुरकिया, थाना बड़ावदा, जिला रतलाम।

प्रकरण में अन्य पहलुओं की भी गंभीरता से जांच जारी है।

सराहनीय भूमिका- इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में निरीक्षक संतोष चौरसिया, निरीक्षक स्वराज डाबी, निरीक्षक मोहम्मद अयूब खान, निरीक्षक दीपक कुमार मंडलोई, उप निरीक्षक चन्द्रशेखर डीगा, उप निरीक्षक राजेश मालवीय, उप निरीक्षक कुलदीप डाबी, उप निरीक्षक जगदीश कुमावत, सहायक उप निरीक्षक शिवजी यादव, प्रधान आरक्षक शहजाद खान, प्रधान आरक्षक जितेन्द्र बारिया, प्रधान आरक्षक शैलेन्द्र सिंह, प्रधान आरक्षक अभय चौहान, आरक्षक गोपालसिंह, आरक्षक बालुसिंह, आरक्षक रामप्रसाद मीणा, आरक्षक देवेन्द्र, आरक्षक आदित्य, आरक्षक पवन परमार, आरक्षक रोशनलाल, प्रधान आरक्षक दिलीप राव, आरक्षक रोहताश जाट, आरक्षक प्रकाश भास्कर, आरक्षक रविन्द्र सिंह, प्रधान आरक्षक बालकृष्ण, प्रधान आरक्षक ललित जगावत, सैनिक संग्राम सिंह तथा साइबर सेल के प्रधान आरक्षक मनमोहन शर्मा एवं आरक्षक विपुल भावसार की सराहनीय भूमिका रही।

आजीविका मिशन से मिली नई पहचान, फूलमाला व्यवसाय से आत्मनिर्भर बनीं टीना बागवान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विकासखंड सोनकच्छ के ग्राम गंधर्वपुरी निवासी श्रीमती टीना बागवान की कहानी बताती है कि यदि महिलाओं को सही मार्गदर्शन और अवसर मिले तो वे अपने परिवार के साथ-साथ समाज में भी अपनी अलग पहचान बना सकती है। श्रीमती टीना बागवान बताती हैं कि स्वयं सहायता समूह से जुड़ने से पहले उनकी अपनी कोई अलग पहचान नहीं थी। लोग उन्हें केवल उनके पति के नाम से जानते थे। अपनी बात रखने का आत्मविश्वास भी उनमें नहीं था। परिवार सामान्य खेती पर निर्भर था, जिससे घर का खर्च चलाना कठिन होता था और अनेक आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता था।

वर्ष 2021 में ग्राम गंधर्वपुरी में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की टीम द्वारा आयोजित प्रशिक्षण में उन्होंने स्वयं सहायता समूह की जानकारी प्राप्त की। मिशन की प्रेरणा से उन्होंने लक्ष्मी आजीविका समूह का गठन किया और समूह से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ाया। समूह को प्राप्त प्रथम सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) से 20 हजार रुपये का ऋण लेकर उन्होंने फूलों की खेती प्रारंभ की तथा फूलमाला बनाने का कार्य शुरू किया। इसके बाद आजीविका मिशन के सहयोग से 40 हजार रुपये की सीसीएल राशि प्राप्त हुई, जिससे उन्होंने अपने फूल एवं फूलमाला व्यवसाय का विस्तार किया। व्यवसाय बढ़ने के साथ उनके पति और बच्चे भी इस कार्य में सहयोग करने लगे। बाद में 40 हजार रुपये का अतिरिक्त ऋण लेकर उन्होंने व्यवसाय को और आगे बढ़ाया। अब उनका परिवार शादी-विवाह, धार्मिक आयोजनों एवं अन्य कार्यक्रमों में फूल सजावट, डेकोरेशन तथा मारुति वैन के माध्यम से पुष्प वर्षा जैसी सेवाएं भी व्यवसायिक रूप से उपलब्ध करा रहा है। वर्तमान में वे अपने फूल एवं फूलमाला व्यवसाय से प्रतिमाह 12 हजार रुपये से अधिक की आय अर्जित कर रही हैं।

आर्थिक स्थिति मजबूत होने के साथ उनके परिवार के जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार आया है। श्रीमती टीना बागवान का सपना अपने फूल एवं फूलमाला व्यवसाय को और अधिक विस्तारित करना है। उनका लक्ष्य अपने व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाकर लगातार ?लखपति दीदी? के रूप में अपनी पहचान बनाए रखना है। वे अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बनकर उन्हें स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

एक पेड़ माँ के नाम - अभियान और तिरंगा यात्रा को लेकर नप में बैठक

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार एक पेड़ माँ के नाम अमृत हरित महाअभियान-2026, तिरंगा यात्रा एवं स्वतंत्रता दिवस (तिरंगा महोत्सव) के सफल एवं गरिमामय आयोजन को लेकर गुरुवार को नगर परिषद बदनावर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती मीना शेखर यादव एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्रीमती प्रियंका मिमरोट ने की।

बैठक में मुख्य नगर पालिका अधिकारी विकास डावर ने शासन की गाइडलाइन के अनुरूप अभियान की विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत की। उन्होंने विभिन्न विभागों, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों को उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराया तथा सभी से बेहतर समन्वय और जनसहभागिता से आयोजनों को ऐतिहासिक बनाने की अपील की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 12 अगस्त 2026 को एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत नगर में व्यापक स्तर पर पौधारोपण किया जाएगा। इसके अंतर्गत सार्वजनिक स्थलों, शासकीय परिसरों, विद्यालयों एवं अन्य चयनित स्थानों पर पौधे रोपे जाएंगे। साथ ही आम नागरिकों को भी अपने घरों व आसपास पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेने के लिए प्रेरित करने हेतु जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

इसी क्रम में 13 अगस्त 2026 को प्रतिवर्ष की भांति नगर में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा प्रातः श्री बैजनाथ महादेव मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरती हुई बस स्टैंड पहुंचेगी। यात्रा में हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी के छात्र-छात्राएँ, शासकीय विभागों के कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक व धार्मिक संगठन और बड़ी संख्या में नगरवासी तिरंगा थामे शामिल होंगे। यात्रा के समापन पर भूतपूर्व सैनिकों का विशेष सम्मान कर उनके राष्ट्रसेवा के अभूतपूर्व योगदान को नमन किया जाएगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार पूर्ण गरिमा, उत्साह और राष्ट्रभक्ति के वातावरण में आयोजित होगा, जिसमें जन-जन की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

बैठक में अध्यक्ष प्रतिनिधि शेखर यादव, पार्षद जितेंद्र शर्मा, श्रीमती अनिता-संतोष चौहान, सुखराम देवड़ा, जगदीश पाटीदार, कन्हैयालाल गुर्जर, भूपेंद्र सिंह राठौर, मितेश शर्मा, कपिल नाहर तथा पार्षद प्रतिनिधि दीपक जाधव, संतोष राव, चेतन नागल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

नगर परिषद बदनावर ने नगर के समस्त नागरिकों से एक पेड़ माँ के नाम महाअभियान, तिरंगा यात्रा एवं स्वतंत्रता दिवस के समस्त कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने और पर्यावरण संरक्षण व राष्ट्रप्रेम का संदेश घर-घर तक पहुँचाने का आह्वान किया है।

राठौड़ समाज के वरिष्ठ भुवानलाल राठौड़ का निधन, अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राठौड़ समाज के वरिष्ठ एवं समाजसेवी भुवानलाल राठौड़ का 90 वर्ष की आयु में बुधवार रात्रि निधन हो गया। उनके निधन से समाज एवं नगर में शोक की लहर दौड़ गई। वे पत्रकार चेतन राठौड़ के पिताजी थे। स्वर्गीय भुवानलाल राठौड़ तेजाबाबजी समिति, नाग मंदिर समिति तथा राठौड़ समाज के सक्रिय सदस्य रहे। सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में उनकी सहभागिता उल्लेखनीय रही। गुरुवार सुबह 10:30 बजे उनकी अंतिम यात्रा सदर बाजार स्थित निवास से निकाली गई, जिसमें समाजजन, जनप्रतिनिधि, विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी एवं नगर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुक्तिधाम में पं. कपिल पौराणिक, डॉ. प्रदीप बाफना, सत्यनारायण झाला, सुरेश प्रजापत, तेजराम राठौड़ (खेड़ावदा) सहित अनेक लोगों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। अंतिम संस्कार के दौरान उनके चारों पुत्रों ने मुखाग्नि दी।

जल संरक्षण, जैव विविधता व ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर विद्यार्थियों को दी जानकारी

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। संदीपनी शासकीय उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय बड़ावदा में इको क्लब प्रभारी शांतिलाल कुमावत (झाला) ने उज्जैन में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में प्राप्त अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा किए। यह कार्यशाला पर्यावरण एवं समन्वय संगठन (ईपीसीओ) तथा विप्रो फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में जल, जैव विविधता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर आयोजित की गई थी।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को जल संरक्षण, स्वच्छ पेयजल के महत्व तथा जल गुणवत्ता की वैज्ञानिक जांच के बारे में जानकारी दी गई। शांतिलाल कुमावत ने टीडीएस मीटर, पीएच इंडिकेटर तथा ऑक्सीडेशन-रिडक्शन पोटेंशियल (ओआरपी) डिजिटल मीटर के माध्यम से पानी की गुणवत्ता जांचने की प्रक्रिया का प्रदर्शन करते हुए अम्लीय, क्षारीय एवं विभिन्न प्रकार के जल के गुणों की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि मानव शरीर का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से बना है। इसलिए शुद्ध एवं सुरक्षित पानी का सेवन स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को जल संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि यदि जल की गुणवत्ता को नहीं समझा गया तो इसका सीधा प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ सकता है।

कार्यक्रम के दौरान जल संरक्षण, जैव विविधता के संरक्षण तथा ठोस अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक रहने और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के मुकेश बैरागी सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महावीर विद्यालय के बच्चे अपने जीवन को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिसको लेकर बच्चों ने बस में बैठने से मना किया, घंटो इंतजार के बाद तहसीलदार के मौके पर पहुंचने पर और महावीर विद्यालय के प्रिंसिपल के पहुंचने पर बचे हुए संतुष्ट बच्चों के पालकों ने तहसीलदार महोदय को एक ज्ञापन देकर बस एवं स्कूल की सारी व्यवस्थाओं को लेकर आक्रोश देखने को मिला बच्चे एवं स्टाफ के प्रति प्रिंसिपल के रवैया को लेकर तहसीलदार आलोट को एक ज्ञापन एसडीएम के नाम दिया जिसमें मांग रखी गई की बच्चों से मोटी फीस वसूल रहे हो तो उनको सुविधा भी देना चाहिए बस के अंदर ना तो जीपीएस लगा नहीं सीसीटीवी कैमरे लगाहुआ है ना ही लेडिस कंडक्टर है और ना ही कंडक्टर और ड्राइवर के पास यूनिफॉर्म है और ना ही ड्राइवर और कंडक्टर का चरित्र प्रमाण पत्र है ऐसी कई कमियां स्कूल बस के अंदर देखने को मिली जबकि आज बच्चों का प्रैक्टिकल एग्जाम था उसके बावजूद भी बच्चों ने स्कूल न जाने की ठान कर नारेबाजी करते हुई अपनी नाराजगी जाहिर की् पालको के आक्रोश को देख मौके पर पहुंचे प्रिंसिपल महावीर विद्यालय आलोट के मनोज शर्मा ने 9 तारीख को एक बैठक आयोजित की जिसमें स्कूल प्रबंधन एवं बच्चों के साथ पालकों को भी आमंत्रित किया गया है अब देखना है कि 9 तारीख के बाद स्कूल की व्यवस्था में सुधार आता है या नहीं 3 घंटे इंतजार के बाद बच्चों ने तहसीलदार के आश्वासन पर गाड़ी में बैठकर स्कूल जाना स्वीकार किया महावीर विद्यालय आलोट के अनेक को शिकायत फाइलों की शोभा बढ़ा रही है लेकिन जिम्मेदार अधिकारी विद्यालय पर कार्रवाई करने को उचित ही नहीं समझ रहे हैं किसी न किसी दिन बड़ी घटना होगी जब शायद जिम्मेदार अधिकारी जागेंगे और बच्चों ने तभी जुबान में बताया थी हमारे साथ भेदभाव किया जाता है जिसको देख पलकों में आक्रोश बढ़ता दिख रहा है।

कन्हैयालाल मेहता विचार मंच की नई नवीन कार्यकारिणी घोषित, सैफुद्दीन बादशाह बने अध्यक्ष

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। कन्हैयालाल मेहता विचार मंच की एक महत्वपूर्ण बैठक स्थानीय ओंकारलीला पैलेस में संपन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता संस्था संरक्षक और पूर्व विधायक मुरली मोरवाल ने की। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों की सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया। जिसमें अध्यक्ष- सैफुद्दीन बादशाह, उपाध्यक्ष- प्रदीप शुक्ला, सचिव- उमाशंकर मेहता, संयुक्त सचिव- प्रमोद जैन (मैनेजर), संगठन सचिव- विनोद मकवाना, कोषाध्यक्ष- जितेंद्र काला, मीडिया प्रभारी- राजकुमार नाहर मनोनीत किये गये । नवीन दायित्व मिलने पर इष्ट मित्रों और शुभचिंतकों ने सभी पदाधिकारियों को पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया और उनके उज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर संस्था के अनेक सदस्य और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। जानकारी संस्था संयोजक प्रमोद गिदिया ने दी ।

राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा का सलसलाई में भव्य स्वागत, प्राकृतिक फूलों से स्वागत के बाद कार्यकर्ताओं का जताया आभार

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश सरकार के राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा का गुरुवार शाम आगर जिले के प्रसिद्ध बगलामुखी धाम से भोपाल जाते समय सलसलाई नगर स्थित महाराणा स्कूल परिसर में भारतीय जनता पार्टी एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

शाम करीब 6 बजे जैसे ही मंत्री श्री वर्मा का काफिला महाराणा स्कूल परिसर पहुंचा, कार्यकर्ताओं ने उन्हें भगवा दुपट्टा ओढ़ाकर एवं प्राकृतिक फूलों से आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर उन्हें राधा-कृष्ण की आकर्षक तस्वीर भी भेंट की गई।

स्वागत के पश्चात राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया तथा लगभग 20 मिनट तक उनसे चर्चा कर क्षेत्र की गतिविधियों एवं संगठनात्मक विषयों पर संवाद किया।

इस अवसर पर महाराणा प्रताप युवा संगठन के जिला अध्यक्ष प्रकाश मेवाड़ा, अखंड हिंदू युवा संगठन के जिला अध्यक्ष हेमंत मेवाड़ा, मंडल उपाध्यक्ष भादर सिंह मेवाड़ा, जुझार सिंह मेवाड़ा, बल्लू मेवाड़ा, रोशन मेवाड़ा, तहसील अध्यक्ष जीवन सिंह मेवाड़ा, गोविंद मेवाड़ा, पत्रकार अमर सिंह मेवाड़ा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के उपरांत राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा का काफिला भोपाल के लिए रवाना हो गया।

श्रावण मास भगवान भोलेनाथ का अत्यंत पावन एवं प्रिय माह माना जाता है

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रावण मास भगवान भोलेनाथ का अत्यंत पावन एवं प्रिय माह माना जाता है। इस माह में भगवान शिव की श्रद्धा, भक्ति एवं विश्वास के साथ आराधना करने से जीवन के बड़े से बड़े संकट भी दूर हो जाते हैं तथा असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं। यह उद्गार श्री बैजनाथ महादेव मंदिर परिसर में आयोजित श्री शिवमहापुराण कथा के द्वितीय दिवस पर कथा वाचक पंडित महेश पाराशर शास्त्री ने व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि संतों का जीवन सदैव हमें विपरीत परिस्थितियों में भी प्रसन्न रहना सिखाता है। सुख और दुःख जीवन के दो पहलू हैं, लेकिन जो व्यक्ति हर परिस्थिति में भगवान का स्मरण करता है और संतों के बताए मार्ग पर चलता है, उसके जीवन में कभी निराशा नहीं आती। हमें हर हाल में प्रसन्न रहना चाहिए, क्योंकि प्रसन्न मन से किया गया प्रत्येक कार्य सफल होता है और ईश्वर की कृपा भी उसी पर बनी रहती है। पंडित पाराशर ने कहा कि भगवान भोलेनाथ अपने भक्तों की सच्ची श्रद्धा और भक्ति से शीघ्र प्रसन्न होने वाले देव हैं। उन्हें भोलेनाथ इसलिए कहा जाता है क्योंकि वे अपने भक्तों की छोटी-सी उपासना से भी प्रसन्न होकर उन्हें मनचाहा फल प्रदान करते हैं। श्रावण मास में शिवलिंग पर जल, दुग्ध, बेलपत्र, धतूरा एवं अन्य पूजन सामग्री अर्पित करने का विशेष महत्व है। इस माह में किए गए जप, तप, दान और रुद्राभिषेक का पुण्य कई गुना बढ़ जाता है। कथा के दौरान भगवान शिव की महिमा, उनके करुणामय स्वरूप तथा भक्तों पर होने वाली उनकी असीम कृपा का भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथा श्रवण के दौरान श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर होकर भगवान शिव के जयघोष करते रहे। पूरा मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। कथा के पूर्व वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पार्थिव शिवलिंग रुद्राभिषेक सम्पन्न हुआ। आज के रुद्राभिषेक का पुण्य लाभ अनोखीलाल चावला एवं परिवार तथा पप्पू गांधी एवं परिवार ने प्राप्त किया। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक एवं पूजन-अर्चन कर सुख, समृद्धि और विश्व कल्याण की कामना की।

जैन नारी शक्ति मंच का प्रथम सेवा प्रकल्पः जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक वितरित किए वस्त्र

संस्थापक-संचालक राजेश सकलेचा के मार्गदर्शन में सेवा, सहयोग और मानवता का प्रेरक संदेश –

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा, संवेदना और सामाजिक सरोकारों को समर्पित जैन नारी शक्ति मंच ने संस्थापक-संचालक राजेश सकलेचा के मार्गदर्शन में अपने प्रथम सेवा प्रकल्प के माध्यम से समाजसेवा की प्रेरणादायी शुरुआत की। बुधवार शाम पाल्या कला स्थित ओमप्रकाश कुमावत के निवास पर आयोजित कार्यक्रम में जरूरतमंद महिलाओं को साड़ियां तथा पुरुषों को कुर्ता-पायजामा एव छोटे बच्चो को ड्रेस सम्मानपूर्वक भेंट किए गए।

यह सेवा प्रकल्प जैन समाज के दो गुप्त लाभार्थी परिवारों के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों तक सम्मानपूर्वक वस्त्र पहुंचाकर सेवा, सहयोग, करुणा और मानवता के मूल्यों को सशक्त करना रहा।

मंच की सक्रिय कार्यकर्ता चंचल जैन (चोरड़िया) एवं आशा जैन ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि समाज के सामूहिक सहयोग से ऐसे सेवा प्रकल्प निरंतर संचालित किए जाएंगे, जिससे अधिक से अधिक जरूरतमंद परिवारों तक सहायता पहुंच सके।

राजेश सकलेचा एव दिपक जैन ने बताया कि जैन नारी शक्ति मंच राष्ट्रीय स्तर पर अपने संगठन का विस्तार कर रहा है तथा भविष्य में शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण एवं जनकल्याण से जुड़े अनेक सेवा प्रकल्प समाज के सहयोग से नियमित रूप से संचालित किए जाएंगे।

कार्यक्रम का संचालन आशा जैन ने किया तथा आभार चंचल जैन ने व्यक्त किया।

इस अवसर पर प्रीति भटेवरा, मोनिका जैन (नवादावाला), उर्मिला कोठारी, अनुज नाहर, दीपक जैन, जीवनलाल जैन, ओमप्रकाश कुमावत, धर्मेन्द्र कुमावत, अंकित कुमावत सहित मंच की पदाधिकारी, सदस्याएं, समाजसेवी एवं सहयोगी परिवारजन उपस्थित रहे। सभी ने इस सेवा पहल की सराहना करते हुए इसे समाज में सेवा, सहयोग, संवेदना और सामाजिक समरसता की दिशा में एक प्रेरणादायी शुरुआत बताया।

प्रदेश अध्यक्ष इंदल सिंह राणा के नेतृत्व में 9 अगस्त को इंदौर में निकलेगी भव्य तिरंगा यात्रा

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की भावना को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से 9 अगस्त को इंदौर में क्षत्रिय करणी सेना द्वारा प्रदेश अध्यक्ष श्री इंदल सिंह राणा के नेतृत्व में भव्य हर घर तिरंगा ङ्क हर दिल तिरंगा तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। चंदन सिंह बड़वाया, विधि सलाहकार, क्षत्रिय करणी सेना मध्यप्रदेश ने बताया कि यह तिरंगा यात्रा प्रातः 11:30 बजे श्री वैष्णव धाम मंदिर, स्कीम नंबर 140, इंदौर से प्रारंभ होकर छत्रपति शिवाजी महाराज वाटिका, इंदौर में संपन्न होगी। उन्होंने सभी राष्ट्रप्रेमी नागरिकों, युवाओं, मातृशक्ति एवं सामाजिक संगठनों से अधिक से अधिक संख्या में इस गौरवशाली तिरंगा यात्रा में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि राष्ट्रध्वज हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है। यह यात्रा देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता तथा राष्ट्र के प्रति समर्पण का संदेश जन-जन तक पहुँचाने का माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह तिरंगे के सम्मान और राष्ट्रहित के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करे तथा इस ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा में सहभागिता निभाकर भारत माता के गौरव को और अधिक ऊँचाइयों तक पहुँचाए।

मुलथान में भाजपा ग्रामीण मंडल की बैठक, हर घर तिरंगा और बूथ मजबूती पर जोर

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी बदनावर ग्रामीण मंडल की कामकाजी बैठक गुरुवार को ग्राम पंचायत मूलथान में संपन्न हई। बैठक का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय व डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिला उपाध्यक्ष व बदनावर ग्रामीण मंडल प्रभारी सुभाष जायसवाल ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान, वीर शिरोमणि संत रविदास जी की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम तथा मंडल के संगठनात्मक कार्यों को पूरी सक्रियता के साथ सफल बनाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करना प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। साथ ही प्रधानमंत्री द्वारा आमजन के लिए उपलब्ध कराई गई विभिन्न सुविधाओं की जानकारी भी लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया।

मंडल अध्यक्ष गोविंद रघुवंशी ने स्वागत भाषण दिया। पूर्व जिला महामंत्री शिवरामसिंह रघुवंशी ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और कार्यकर्ताओं से निरंतर सक्रिय रहने का आग्रह किया। रजनीश मालवीय ने तिरंगा यात्रा की रूपरेखा प्रस्तुत की। किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष हितेंद्र सिंह राजपुरोहित ने कार्यकर्ताओं से सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों और कार्यों को तथ्यों के साथ प्रस्तुत करने की अपील की। भाजपा के वरिष्ठ नेता दिनेश गिरवाल ने बूथ स्तर पर संगठन को सशक्त बनाने पर जोर दिया। जबकि जिला पंचायत सदस्य कुलदीप सिंह पिपलीपाड़ा ने सभी से नियमित रूप से मन की बात कार्यक्रम सुनने का आग्रह किया। सरपंच देवेंद्र मोदी ने आगामी चुनावों को देखते हुए सभी कार्यकर्ताओं से पूरी सजगता और सक्रियता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

बैठक में मण्डल महामंत्री तेजालाल पाटीदार ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर किशोर जायसवाल, मोहन दास बेगंदा, राजू मकवाना, पूर्व मंडल अध्यक्ष नारायणसिंह देवड़ा, कमलेश पटेल, दिनेश बामणिया, संतोष जायसवाल, बबलू सोलंकी, महेश दांगी, अंबाराम पाटीदार, दिनेश केलवा, शरद झारानी, जितेंद्र चौधरी, प्रदीप गुगलिया, कपिल सोलंकी, हेमंत रघुवंशी, नितिन जाट, कमल परमार, सोहन पाटीदार, धन्नालाल, संजय जायसवाल सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे। यह जानकारी भाजपा के जिला सह मीडिया प्रभारी मनोज सोलंकी कवि ने दी।

कलेक्टर डॉ. मीना एवं एसपी श्री सोनी ने लिया 51 हजार कलश यात्रा की तैयारियों का जायजा

10 अगस्त को विधायक श्री मधु गहलोत के नेतृत्व में निकलेगी विशाल कलश यात्रा

आगर-मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रावण माह के दुसरे सोमवार, 10 अगस्त 2026 को आगर शहर में आयोजित होने वाली 51 हजार कलश यात्रा की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीना एवं पुलिस अधीक्षक श्री दिलीप सोनी ने गुरुवार शाम 7 बजे पुरानी कृषि उपज मंडी प्रांगण पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मंडी प्रांगण में श्रद्धालुओं के सुगम प्रवेश, कलश में जल भरने की व्यवस्था, कलश लेकर मंडी प्रांगण से श्रद्धालुओं के निकासी व्यवस्था, यात्रा मार्ग पर सुगम एवं सुचारु यातायात व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पेयजल एवं सुरक्षा व्यवस्था का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बड़ी संख्या में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण की जाएं। इसके पश्चात कलेक्टर एवं एसपी ने कलश यात्रा मार्ग का संयुक्त निरीक्षण कर आवश्यक प्रबंध एवं व्यवस्थाओं हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी आगर के विधायक श्री माधव सिंह (मधु) गहलोत के नेतृत्व में 51 हजार कलश यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा पुरानी कृषि उपज मंडी प्रांगण से प्रारंभ होकर हाटपुरा, सर्राफा, नाना बाजार, झंडा चौक, छावनी नाका होते हुए प्राचीन श्री बैजनाथ महादेव मंदिर पहुंचेगी, जहां कलश यात्रियों द्वारा भगवान बैजनाथ महादेव का जलाभिषेक किया जाएगा। धर्म, आस्था और विश्वास के इस अनूठे आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाएं एवं ग्रामीणजन उत्साहपूर्वक भाग लेंगे।

निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री रविंद्र बोयत, एसडीएम श्री मिलिंद ढोके, एसडीओपी श्री मोतीलाल कुशवाहा, सहायक संचालक जिला जनसंपर्क श्री जगदीश चंद्र मालवीय, सीएमओ श्री कुशाल सिंह डोडवे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एसडीएम ने किया बड़नगर शासकीय अस्पताल का औचक निरीक्षण, साइकिल स्टैंड और सफाई व्यवस्था पर जताई नाराजगी

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्री धीरेंद्र पाराशर ने गुरुवार को बड़नगर के शासकीय चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की विभिन्न व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और खामियां पाए जाने पर संबंधितों को सख्त हिदायत दी।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री पाराशर ने साइकिल स्टैंड पर वाहनों के अव्यवस्थित तरीके से खड़े होने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्टैंड ठेकेदार को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सभी वाहन व्यवस्थित रूप से खड़े होने चाहिए। इसके साथ ही, अस्पताल में साफ-सफाई व्यवस्था को लेकर यश गोविंद मार्केटिंग के आउटसोर्स कर्मचारियों को भी कड़े निर्देश दिए गए। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि सफाई व्यवस्था में बिल्कुल भी लापरवाही न बरती जाए और समय-समय पर पूरे परिसर की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए। एसडीएम ने अस्पताल की अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने दवा वितरण व्यवस्था, पर्ची काउंटर और अस्पताल के अन्य वार्डों का मुआयना कर वहां की कार्यप्रणाली को देखा।

इस औचक निरीक्षण के अवसर पर मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी विजेंद्र अजनार, डॉ. देवेंद्र स्वामी, डॉ. विजय मालवीय, डॉ. बबीता माथुर, प्रभारी बी.ई. दिनेश कुमार पंचोली, फार्मासिस्ट कन्हैयालाल वर्फा, हर्षवर्धन परमार सहित अस्पताल का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

महाकाल सवारी मार्ग पर खतरा बना जर्जर दो मंजिला भवन ढहाया

पहली सवारी में मलबा गिरने की घटना के बाद निगम सख्त- श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए कार्रवाई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बाबा महाकाल की सवारी के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम ने बुधवार को ढाबा रोड स्थित एक जर्जर दो मंजिला (जी+2) भवन को गिरा दिया। भवन लंबे समय से खस्ताहाल था और किसी भी समय हादसे का कारण बन सकता था। सावन माह की पांच सवारियां अभी शेष हैं, वहीं सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के बीच निगम किसी भी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहता।

कार्रवाई से पहले निगम अमले ने पूरे क्षेत्र की बैरिकेडिंग कर आम लोगों की आवाजाही रोकी। इसके बाद मशीनों की मदद से भवन के खतरनाक हिस्सों को सावधानीपूर्वक हटाया गया। निगम अधिकारियों के अनुसार भवन में कोई रहवासी नहीं था, इसलिए सुरक्षा इंतजामों के बीच ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पूरी की गई। दरअसल, महाकाल की पहली सवारी के दौरान मार्ग पर स्थित एक भवन से मलबा गिरने की घटना सामने आई थी। इसके बाद नगर निगम ने पूरे सवारी मार्ग पर मौजूद जर्जर भवनों का सर्वे शुरू किया। इसी सर्वे के आधार पर जोखिम वाले भवनों को चिन्हित कर चरणबद्ध कार्रवाई की जा रही है, ताकि आगामी सवारियों के दौरान किसी प्रकार की दुर्घटना न हो।

नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने बताया कि महाकाल सवारी मार्ग पर स्थित सभी जर्जर और असुरक्षित भवनों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। जिन भवनों से हादसे की आशंका है, उनके खतरनाक हिस्सों को हटाया जा रहा है। इसके साथ ही मार्ग पर बने अस्थायी अतिक्रमण, सड़क और नालियों में बाधा बन रहे अवरोधों तथा अन्य जोखिम वाले स्थानों को भी चिन्हित कर समयबद्ध तरीके से हटाया जा रहा है।

निगम अधिकारियों का कहना है कि महाकाल की शेष सवारियों और सिंहस्थ महापर्व के दौरान लाखों श्रद्धालु उज्जैन पहुंचेंगे। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाएगी और जरूरत पड़ने पर आगे भी जर्जर भवनों पर इसी तरह कार्रवाई जारी रहेगी।

सिंहस्थ 2028: एआई तकनीक से 30 करोड़ श्रद्धालुओं की निगरानी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ महाकुंभ-2028 को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए उज्जैन पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक राकेश गुप्ता, पुलिस उप महानिरीक्षक नवनीत भसीन और पुलिस अधीक्षक उज्जैन ने सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और आधुनिक तकनीक आधारित व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में पुलिस अधीक्षक ने सिंहस्थ-2028 की प्रस्तावित सुरक्षा व्यवस्था का प्रेजेंटेशन देते हुए बताया कि 9 अप्रैल से 8 मई 2028 तक प्रस्तावित महाकुंभ में करीब 30 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। तृतीय अमृत स्नान पर अकेले 5 करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए व्यापक सुरक्षा योजना तैयार की गई है। करीब 3 हजार हेक्टेयर में प्रस्तावित मेला क्षेत्र को 10 जोन, 40 सेक्टर और 80 थानों में विभाजित करने का प्रस्ताव है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए लगभग 62,950 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों और 500 राजपत्रित अधिकारियों की तैनाती की योजना बनाई गई है। बैठक में एआई आधारित सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष जोर दिया गया। प्रस्ताव के अनुसार पूरे मेला क्षेत्र और शहर में 3,500 कैमरे, 416 ड्रोन, अंडरवाटर कैमरे और 2,700 से अधिक पब्लिक एड्रेस सिस्टम लगाए जाएंगे। ⸗द्व आधारित स्टाम्पीड अर्ली वार्निंग सिस्टम संभावित भगदड़ की पहले ही चेतावनी देगा, जबकि एएनपीआर और फेसियल रिकग्निशन तकनीक से चोरी के वाहन और संदिग्ध अपराधियों की पहचान की जाएगी। कार्तिक मेला क्षेत्र में 24म7 इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर स्थापित करने तथा माधव नगर और राणोजी की छत्री क्षेत्र में बैकअप कंट्रोल सेंटर बनाने की योजना भी बैठक में प्रस्तुत की गई। साइबर सुरक्षा के लिए साइबर थाना, 10 साइबर हेल्प डेस्क और 1,000 साइबर वॉरियर्स की तैनाती पर भी चर्चा हुई। यातायात व्यवस्था को लेकर इंदौर, देवास, मक्सी, आगर, गरोठ, नागदा, उन्हेल और बड़नगर सहित आठ प्रमुख मार्गों पर विशेष ट्रैफिक प्लान तैयार किया जा रहा है। बाहरी क्षेत्र में 100 से अधिक पार्किंग स्थल विकसित किए जाएंगे, जहां प्रतिदिन 2.20 लाख वाहनों और 52.60 लाख श्रद्धालुओं की क्षमता के अनुरूप व्यवस्था रहेगी।

पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग पर बैंककर्मी 12 अगस्त को करेंगे प्रदर्शन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने की मांग को लेकर 12 अगस्त को सरकारी बैंकों के अधिकारी और कर्मचारी देशभर में विरोध प्रदर्शन करेंगे। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के आह्वान पर उज्जैन में भी बैंक कर्मचारी शाम 5 बजे टावर चौक और ट्रेजर मॉल के सामने एकत्र होकर प्रदर्शन करेंगे।

बैंक यूनियनों का कहना है कि 8 मार्च 2024 को इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) और बैंक यूनियनों के बीच सप्ताह में पांच दिन बैंकिंग व्यवस्था लागू करने पर लिखित सहमति बनी थी। इसके बाद केंद्र सरकार ने भी इसे लागू करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक वित्त मंत्रालय की ओर से इसकी अधिसूचना जारी नहीं की गई है।

एनसीबीई के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं इंडियन ओवरसीज बैंक एम्प्लॉइज यूनियन के प्रदेश सचिव विपिन सिंह सतोरिया ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक, एलआईसी और केंद्र सरकार के अधिकांश कार्यालयों में पहले से पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू है। ऐसे में सरकारी बैंक कर्मचारियों को यह सुविधा नहीं मिलना उचित नहीं है। यूनियनों ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने जल्द अधिसूचना जारी नहीं की तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। 12 अगस्त को बैंकिंग कार्य समाप्त होने के बाद सभी अधिकारी और कर्मचारी विरोध प्रदर्शन में शामिल होकर अपनी मांग सरकार तक पहुंचाएंगे।

चरक भवन के पोषण पुनर्वास केन्द्र में उपचार से 18 माह का धनश्याम कुपोषण और एनीमिया से हुआ स्वस्थ

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला चिकित्सालय चरक भवन स्थित पोषण पुनर्वास केन्द्र (एनआरसी) में निःशुल्क उपचार और पौष्टिक आहार से 18 माह का धनश्याम गंभीर कुपोषण एवं एनीमिया से मुक्त हो गया। नियमित उपचार और फॉलोअप के बाद अब वह सामान्य बच्चों की तरह स्वस्थ जीवन जी रहा है।

ग्राम सुवासा निवासी जगदीश और राधा का पुत्र धनश्याम जन्म से ही कमजोर था। लगातार स्वास्थ्य खराब रहने पर परिजन उसे जिला चिकित्सालय चरक भवन लेकर पहुंचे। जांच में उसका वजन मात्र 4.840 किलोग्राम और हीमोग्लोबिन 5.8 ग्राम पाया गया, जिससे चिकित्सकों ने उसे गंभीर कुपोषण और गंभीर एनीमिया से ग्रस्त बताया। इसके बाद परिजनों की सहमति से बच्चे को पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि केन्द्र में 14 दिनों तक धनश्याम का विशेष उपचार किया गया। इस दौरान उसे पौष्टिक आहार, आवश्यक दवाइयां तथा कुपोषण और एनीमिया के उपचार की समुचित सुविधा उपलब्ध कराई गई। चिकित्सक डॉ. पूजा गेहलोत, पोषण प्रशिक्षक श्रीमती सोनल ठाकुर एवं केन्द्र के स्टाफ ने बच्चे की लगातार निगरानी कर उपचार किया।

उपचार के बाद धनश्याम का वजन बढ़कर 5.180 किलोग्राम हो गया और स्वास्थ्य में सुधार होने पर उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। डिस्चार्ज के समय उसकी मां को घर पर पौष्टिक आहार तैयार करने और बच्चे की उचित देखभाल संबंधी प्रशिक्षण भी दिया गया। नियमित फॉलोअप और घर पर संतुलित पोषण आहार मिलने से धनश्याम का वजन बढ़कर 5.730 किलोग्राम हो गया। अब वह स्वस्थ है और सामान्य बच्चों की तरह विकास कर रहा है।

साड़ी का फंदा बनाकर युवक ने लगाई फांसी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कचौरी-समोसे की दुकान लगाने वाले युवक ने साड़ी का फंदा गले में डाल लिया। बच्चों ने लटका देखा तो शोर मचाया पापा मर गये। पडोसी दौड़कर आये और युवक को फंदे से उतारा। सांस चलने पर उसे चरक अस्पताल लाया गया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई थी।

मामला महिदपुर की गणेश चौपाटी है। जहां से शाम को पवन पिता दयाराम भोई 30 साल को उपचार के लिये चरक अस्पताल लाया गया था। उसकी हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने आईसीयू में भर्ती किया। परिजनों ने बताया कि पवन कचोरी-सोमसे की दुकान लगता है। उसके तीन बच्चे है, पत्नी मजदूरी करती है। शाम को बच्चों ने उसे फंदे पर लटका देखा तो शोर मचाया पापा मर गये, आवाज सुनकर आसपास के रहने वाले पहुंचे और साड़ी के फंदे पर लटके पवन को नीचे उतारा, उसकी सांस चल रही थी। तत्काल महिदपुर अस्पताल लाया गया। खबर मिलते ही मजदूरी पर गई पत्नी, भाई और मां अस्पताल पहुंच गये। डॉक्टरों ने हालत गंभीर होने पर उज्जैन चरक अस्पताल रैफर किया। परिजनों का कहना था कि शराब का नशा करता है, 2 दिन पहले घर में जमकर झगड़ा किया था। पत्नी का कहना था कि कई बार शराब पीने से मना किया लेकिन मारपीट पर उतारू हो जाते थे।

11 वर्षीय बालक की सांप काटने से मौत, अस्पताल लाने से पहले हुई मौत, परिवार का था इकलौता

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। लकड़िया उठाने गए 11 साल के बच्चे को गुरुवार सुबह सांप ने काट लिया परिवार उसे अस्पताल लेकर आता उससे पहले ही बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है।

चिंतामण थाना क्षेत्र के ग्राम कंडारिया में पारदी समाज का डेरा बना हुआ है। यहां रहने वाला भारत पारदी महाकाल मंदिर क्षेत्र में माला कंठी की दुकान लगता है। उसका इकलौता पुत्र तिरंगा 11 साल सुबह घर के बाहर खाना बनाने के लिए लकड़िया उठाने गया था। जहां जहरीला सांप ने उसके हाथ पर काट लिया। बच्चे की चिख सुनकर ने परिजन और आसपास के लोग पहुंचे। सांप लकड़ियो में छुप गया। बच्चे को उपचार के लिए अस्पताल लाया गया लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है। बारिश के दिनों में सांप निकालने की घटनाएं काफी बढ़ गई है। पूर्व में भी कुछ लोगों की सर्पदंश से जान जा चुकी है। अधिकांश घटना ग्रामीण क्षेत्र में होना सामने आ रहा है।

महाकाल दर्शन करने आए श्रद्धालु की कार से ढाई मिनट में 3 लाख का माल समेटकर चोर फरार

होटल से चेकआउट कर दर्शन करने गए थे जम्मू के श्रद्धालु, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात- छात्र जैसा दिखने वाला युवक बेखौफ अंदाज में ले गया बैग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल दर्शन के लिए जम्मू से उज्जैन आए एक श्रद्धालु परिवार के साथ चोरी की बड़ी वारदात हो गई। होटल से चेकआउट कर परिवार जब बाबा महाकाल के दर्शन करने गया, तभी उनकी कार को चोर ने निशाना बना लिया। महज ढाई मिनट के भीतर करीब तीन लाख रुपये का सामान समेटकर आरोपी मौके से फरार हो गया। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें छात्र जैसा दिखने वाला एक युवक बिना किसी घबराहट के आराम से बैग ले जाता दिखाई दे रहा है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जम्मू निवासी स्थानीय पत्रकार वरुण शर्मा अपने परिवार के साथ महाकाल दर्शन के लिए उज्जैन आए थे। उनके साथ उनकी बुआ, मित्र गीतांजलि शर्मा और गुरुजी भी थे। बुधवार को जम्मू लौटने से पहले सभी ने एक बार फिर बाबा महाकाल के दर्शन करने का निर्णय लिया। इसके लिए स्टेशन क्षेत्र स्थित होटल द ग्रैंड गरुड़ से चेकआउट कर उन्होंने अपना पूरा सामान कार में रखा और मंदिर के लिए रवाना हो गए।

करीब दो घंटे बाद जब परिवार वापस लौटा तो कार में रखा सामान गायब था। चोरी हुए सामान में एक लैपटॉप, मोबाइल फोन, 15 हजार रुपये नकद, एक सूटकेस और एक हैंडबैग शामिल है। बैग में महत्वपूर्ण दस्तावेज और अन्य कीमती सामान भी रखा था। पीड़ित परिवार के अनुसार चोरी से करीब तीन लाख रुपये का नुकसान हुआ है। सीसीटीवी फुटेज में सुबह 11 बजकर 23 मिनट पर एक युवक कार के पास पहुंचता दिखाई देता है। वह कुछ ही पलों में कार से सामान निकालता है और 11 बजकर 26 मिनट पर बैग लेकर वहां से निकल जाता है। पूरे घटनाक्रम के दौरान उसके चेहरे पर किसी तरह की घबराहट नहीं दिखती, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि उसने पूरी वारदात पहले से योजना बनाकर अंजाम दी। पीड़ित की मित्र गीतांजलि शर्मा, निवासी एम-7 अवध, राजेंद्र नगर, बरेली ने महाकाल थाने में चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। सूचना मिलते ही पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान और चोरी गए सामान की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं। श्रद्धालुओं के साथ हुई इस घटना ने महाकाल दर्शन के लिए आने वाले यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपी की तलाश तेज कर दी गई है और जल्द ही उसे गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है।

बाइक सवार बदमाश ने झपटी सोने की चेन स्नेचिंग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। फव्वारा चौक पर रात 11 बजे बाइक सवार दो बदमाशों ने चेन स्नेचिंग की वारदात को अंजाम दे दिया। दंपति कोतवाली थाने पहुंचे और मामले की जानकारी पुलिस को दी। चेन ढाई तोला वजनी होना बताया जा रहा है। डाबरी पीठा में रहने वाले मुकेश नीमा फव्वारा चौक पर नीमा ड्रायफरूट दुकान संचालित करते हैं। रात 9 बजे वह दुकान बंद कर घर पहुंचे। भोजन करने के बाद प्रतिदिन की तरह रात में पत्नी मनीषा के साथ पैदल टहलने के लिए फव्वारा चौक तक आए थे। चौक का राउंड लगाकर वह 11 बजे के लगभग वापस लौट रहे थे उसी दौरान बाइक से आए दो बदमाशों ने उनकी पत्नी के गले से सोने की चेन झपटी और तेजगति से भाग निकले। रात का समय होने पर व्यवसायिक क्षेत्र पूरी तरह से बंद हो चुका था और मार्ग पर आवागमन भी काफी कम था। चेन स्नेचिंग के बाद नीमा दंपति ने अपने परिचित और परिजनों को सूचना दी। दोनों वारदात की शिकायत दर्ज कराने कोतवाली थाने पहुंचे। पुलिस वारदात स्थल पर जांच करने पहुंची क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरो के माध्यम से बाइक सवार बदमाशों के भागने का रास्ता ट्रेस किया जाएगा। इन दिनों शहर में बदमाश सक्रिय दिखाई दे रहा है, कुछ दिनों पहले चिंतामण थाना क्षेत्र में आठ बदमाशों ने आभूषण व्यापारी के साथ लूट के वारदात को अंजाम दे दिया था। पुलिस ने बदमाशों को घेराबंदी में पकड़ा था। इससे पहले भी नीलगंगा थाना क्षेत्र में स्कूटी सवार भोपाल के बदमाश ने अपने दो नाबालिक साथियों के साथ लूट और चेन स्नेचिंग की वारदात के साथ चिंतामण क्षेत्र में महिला से चांदी का कंदोरा झपट लिया था।

महाकाल मंदिर में एक दिन में ढाई लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

62.43 क्विंटल लड्डू प्रसाद की बिक्री से मंदिर समिति को 20.27 लाख रुपये की आय

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में बुधवार को श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। तड़के भस्म आरती से लेकर रात्रि में मंदिर के पट बंद होने तक 2 लाख 49 हजार 796 श्रद्धालुओं ने महाकाल के दर्शन किए।

बुधवार को तड़के से ही महाकालेश्वर मंदिर परिसर में दिनभर भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं में लड्डू प्रसाद की भी भारी मांग रही। मंदिर समिति के अनुसार सुबह 5 बजे से शाम 6 बजे तक 62.431 क्विंटल लड्डू प्रसाद की बिक्री हुई, जिससे समिति को 20 लाख 27 हजार 900 रुपये की आय प्राप्त हुई।

मंदिर प्रबंध समिति ने बताया कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए लड्डू प्रसाद की पर्याप्त उपलब्धता और सुचारु वितरण की विशेष व्यवस्था की गई है। लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए मंदिर में व्यवस्थाओं पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

दूषित पानी से बढ़ रहा टाइफाइड-डायरिया का खतरा

डॉक्टरों की सलाह—उबला पानी पिएं, भोजन से पहले हाथ धोएं, घर के आसपास पानी जमा न होने दें

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बारिश का मौसम अपने साथ कई संक्रामक बीमारियों का खतरा भी लेकर आता है। चिकित्सकों ने लोगों से कहा है कि दूषित पानी और अस्वच्छ खानपान से बचें। वर्षा ऋतु में टाइफाइड, पीलिया, डायरिया, पेचिश और हैजा जैसी जलजनित बीमारियों के मामले बढ़ जाते हैं। ऐसे में केवल उबला और शुद्ध पानी ही पीएं तथा भोजन बनाने में भी साफ पानी का उपयोग करें।

शासकीय माधव नगर अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ एचपी सोनानिया ने बताया कि देश में जलजनित रोगों से होने वाली करीब 80 प्रतिशत मौतों की बड़ी वजह दूषित पेयजल है। बारिश के दौरान यह खतरा और बढ़ जाता है। इसलिए खाना खाने से पहले और शौच के बाद साबुन से हाथ धोना, खुले में शौच से बचना और घर के आसपास साफ-सफाई रखना बेहद जरूरी है।उन्होंने कहा कि दूषित भोजन और पानी से सबसे अधिक खतरा बच्चों को रहता है। दस्त होने पर शरीर में पानी की कमी जानलेवा हो सकती है। ऐसे में मरीज को तुरंत ओआरएस का घोल और चिकित्सक की सलाह से जिंक की गोली दी जाए। सड़े-गले फल, खुले खाद्य पदार्थ और बिना धोए फल-सब्जियों का सेवन नहीं करना चाहिए। बारिश के मौसम में आई फ्लू (कंजक्टिवाइटिस) के मामले भी तेजी से बढ़ते हैं। संक्रमित व्यक्ति के तौलिया, रूमाल, दरवाजे के हैंडल या अन्य सामान के संपर्क से संक्रमण फैल सकता है।

आंखों में लालपन, खुजली या पानी आने पर बार-बार ठंडे पानी से आंखें धोएं, अलग तौलिया इस्तेमाल करें और बिना सलाह के दवा न लें। सीएमएचओ ने मलेरिया और डेंगू से बचाव के लिए भी विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि घर और आसपास कहीं भी पानी जमा न होने दें। कूलर, फूलदान और फ्रिज की ट्रे की सप्ताह में एक बार सफाई करें। सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें और बुखार आने पर तुरंत जांच कराकर चिकित्सकीय उपचार लें। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से मानसून के दौरान सतर्क रहने और स्वच्छता अपनाने की अपील की है।

सीईओ जिला पंचायत द्वारा समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक ली गई

सीएम हेल्पलाइन, जनविश्वास और हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों की सीईओ ने की समीक्षा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट ने गुरुवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक ली।

बैठक में जानकारी दी गई कि प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान चलाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इसका उद्देश्य हर नागरिक को राष्ट्रध्वज से व्यक्तिगत और भावनात्मक जुड़ाव महसूस कराना है। इस वर्ष राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर हर घर तिरंगा अभियान इसे समर्पित किया गया है।

जिले में अभियान के सफल क्रियान्वयन के अंतर्गत आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी। इस वर्ष अभियान 9 अगस्त से 17 अगस्त 2026 तक पूरे देश में चलाया जा रहा है।

अभियान के दौरान नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे अपने घरों, कार्यालयों, विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा सार्वजनिक स्थानों पर तिरंगा फहराएँ। इसके अतिरिक्त तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर आधिकारिक वेबसाइट harghartiranga.com पर अपलोड करें, तिरंगा यात्रा एवं रैलियाँ (बाइक, साइकिल तथा ई-बाइक) निकालें, तिरंगा रंगोली, प्रदर्शनी, क्विज, निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन करें तथा वंदे मातरम् का सामूहिक गायन करें। सरकारी भवनों पर तिरंगा थीम वाली रोशनी तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम व तिरंगा कॉन्सर्ट भी आयोजित किए जाएँगे।

नागरिकों को अभियान में भाग लेने के लिए घर पर तिरंगा फहराना, उसके साथ सेल्फी लेना तथा वेबसाइट पर अपलोड कर सर्टिफिकेट डाउनलोड करने की सलाह दी गई है। राष्ट्रीय ध्वज फहराते समय फ्लैग कोड ऑफ इंडिया का पालन करना आवश्यक है। संशोधित नियमों के अनुसार अब तिरंगा घर पर दिन-रात फहराया जा सकता है। झंडे का पूर्ण सम्मान बनाए रखना हर नागरिक का कर्तव्य है।

सीईओ जिला पंचायत श्री कूमट ने निर्देश दिए कि शुक्रवार 07 अगस्त से मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान प्रारंभ होगा। इसके अंतर्गत सभी आवश्यक तैयारियाँ करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

ट्रेन में शराब पीकर हुडदंग करने वाले 4 युवक गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भोपाल-जयपुर एक्सप्रेस में 4 युवक शराब पीकर हुडदंग कर रहे थे। यात्रियों के मना करने पर अभद्रता की जा रही थी। यात्रियों ने मामले की सूचना रेलवे हेल्पलाइन नम्बर पर दी। ट्रेन के उज्जैन स्टेशन पहुंचते ही जीआरपी ने चारों युवकों को हिरासत में ले लिया।

जीआरपी थाना प्रभारी सुनील गुप्ता ने बताया कि भोपाल-जयपुर एक्सप्रेस के कोच एम-3 में शराब पीकर हुडदंग कर रहे चार युवकों की सूचना मिलने पर रात को प्लेटफार्म नम्बर 1 पर टीम को अलर्ट किया गया। ट्रेन के आते ही प्रधान आरक्षक मानसिंह टेकाम, श्याम सुंदर चौबे, वीर भूपेंद्र, जितेंद्र छाडी, आरक्षक अरुण सारस्वत, दिलीप लोधी, रजत चौहान, शिल्पा मोगिया, पायल पालीवाल, नेहा शर्मा की टीम ने कोच में सर्चिंग शुरू की और यात्रियों की निशानदेही पर चारों युवकों को कस्टडी में लिया गया। थाने लाने पर पूछताछ में उनके नाम सतीश पिता सुरेशचंद्र सोनी 47 वर्ष, कुलदीप पिता महेंद्र राठौर 26 वर्ष, मनीष पिता सुरेशचंद्र सोनी 37 वर्ष और धीरज पिता जटालसिंह परमार 40 वर्ष निवासी कालापीपल शाजापुर सामने आये। चारों को रात में ही मेडिकल परीक्षण के लिये अस्पताल पहुंचाया गया।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

अब न देरी, न दूरी
मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान
अब सरकार हमारे द्वार
नामांतरण, सीमांकन व फाइलें अब अटकेंगी नहीं, होगा ऑन-द-स्पॉट क्लीयरेंस!
हर योग्य किसान को फार्मर ID और टॉप-क्वालिटी खाद-बीज की इंस्टेंट डिलीवरी
आयुष्मान कार्ड का 100% कवरेज + हॉस्पिटल्स का ऑन-ग्राउंड सरप्राइज ऑडिट
e-KYC और आधार कार्ड अपडेशन बिना किसी झंझट के तुरंत डन!
कुटीर व लोकल बिजनेस को N.O.C. और स्वीकृतियों का सुपरफ़ास्ट अप्रूवल
PM आवास, नल से जल, राशन और लॉ एंड ऑर्डर का स्ट्रिक्ट ऑन-स्पॉट चेक
लोक सेवा गारंटी प्रकरणों का शत-प्रतिशत समाधान, सरकारी कार्यप्रणाली का इवैल्यूएशन और जनसमस्याओं का क्विक सॉल्यूशन
आंगनवाड़ी सेवाओं व बच्चों के पोषण की निगरानी और स्कूल-कॉलेजों की शिक्षा का मूल्यांकन
सड़क, तालाब, अमृत सरोवर और अन्य विकास कार्यों का भौतिक सत्यापन
शुभारंभ
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा
छिंदवाड़ा, मध्यप्रदेश
D11073/26
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhypradesh
@JansamparkMP
JansamparkMP
मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी
7 अगस्त 2026 से 8 जनवरी 2027
हर शुक्रवार, सरकार जनता के द्वार
आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2026